संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 106
पृष्ठ 8
शनिवार
03 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना वजह आवाज भारी लगना....

विचार- वर्ष की विदाई: अधूरेपन से संकल्प...

खेल- हार्दिक-बुमराह को आराम, गिल...

सीएम योगी बोले: सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें

● विभाग मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए दिल्ली जाएं और पैरवी करें

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025–26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्धयावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया। सीएम योगी ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। सीएम ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक–एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें। वहीं सीएम ने वित्त विभाग को निर्देश दिए कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी इनोसेटिव लें। मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिन्हित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें। सीएम ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिए कि आगामी अगले वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को विभाग आवंटित करने से पहले उनके पिछले पांच वर्ष के खर्च के आकंलन की समीक्षा करें। उन्होंने निर्देश दिए कि वित्त विभाग नई कार्ययोजना को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दें। वहीं केंद्र सरकार से आगामी बजट आवंटन को लेकर बेहतर समन्वय बनाएं ताकि समय से केंद्र सरकार से बजट मिल सके।

राजनाथ सिंह का उदयपुर से बड़ा संदेश,

अपनी हेरीटेज पर गर्व करता है आज का न्यू इंडिया

उदयपुर, एजेंसी। देश की समृद्ध सभ्यतागत विरासत की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आधुनिक भारत अपने प्राचीन अतीत और सांस्कृतिक परंपराओं को मान्यता देकर शक्ति और गौरव प्राप्त करता है। मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस समारोह को उदयपुर में संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने विज्ञान, चिकित्सा, गणित, व्याकरण, दर्शन और नैतिकता जैसे विभिन्न विषयों में ज्ञान प्रणालियों में भारत के स्थायी योगदान पर प्रकाश डाला। सिंह ने कहा कि आज का भारत अपने अतीत पर गर्व करता है। आज का भारत अपनी परंपराओं का सम्मान करता है और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को महत्व देता है। भारत की धरती ने चरक, सुश्रुत, आर्यभट, ब्रह्मगुप्त, माधव, पाणिनी, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगला, मैत्रेयी, गार्गी और तिरुवल्लुवर जैसे विद्वानों को जन्म दिया है। राजनाथ सिंह ने मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें केवल एक शासक ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी शिक्षाविद और समर्पित देशभक्त बताया। उन्होंने कहा कि महाराणा भूपाल जी ने चित्तौड़ में हिंदू विश्वविद्यालय, उदयपुर में कृषि महाविद्यालय और बालिका शिक्षा सहित कई विद्यालयों की स्थापना की। राजनाथ सिंह ने कहा कि मित्रों, इस संस्थान का नाम मेवाड़ के महाराणा श्री भूपाल सिंह जी के नाम पर रखा गया है। महाराणा श्री भूपाल सिंह जी केवल एक शासक ही नहीं थे; मुझे बताया गया है कि वे एक शिक्षाविद भी थे।

बुलेट ट्रेन परियोजना में बड़ी उपलब्धि, महाराष्ट्र के पालघर में पहाड़ी सुरंग-5 का हुआ परीक्षण

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक अहम उपलब्धि के तहत महाराष्ट्र के पालघर जिले में शुक्रवार को पहाड़ी सुरंग (एमटी)–5 को सफलतापूर्वक खोल दिया गया है। करीब 1.5 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विरार–बोईसर स्टेशनों के बीच स्थित है। इससे पहले सितंबर 2025 में ठाणे–बीकेसी के बीच पांच किमी लंबी देश की पहली अंडरग्राउंड हाई–स्पीड रेल टनल पूरी की गयी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यहां स्थित रेल भवन से ही ऑनलाइन माध्यम से इस समारोह में जुड़े और रेलवे की इस उपलब्धि को देखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और यह विरार तथा बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है। उन्होंने बताया कि यह महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना की दूसरी सुरंग है जिसका कार्य पूरा हो चुका है। इससे पहले ठाणे और बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का कार्य सितंबर 2025 में पूरा किया गया था। उन्होंने बताया कि मुंबई–अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबी बुलेट ट्रेन परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरती है। उन्होंने बताया कि जापान की तकनीक पर आधारित यह ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी और मुंबई से अहमदाबाद की सात से आठ घंटे की यात्रा को महज दो घंटे 17 मिनट में सीमित कर देगी। उन्होंने बताया कि इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत 1.08 करोड़ रुपये है और इसका करीब 55 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। रेल मंत्री ने कहा कि आज बुलेट ट्रेन परियोजना में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। श्माउंटेन टनल–पांचश की खदाई पूरी होना काफी बड़ी उपलब्धि है।

केरल नए सवेरे के लिए तैयार, फिक्स्ड मैच वाली राजनीति जल्द खत्म होगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। तिरुवनंतपुरम में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में मिली जीत को केरल में बड़े चुनावी विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर पेश करने की बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है। वीवी राजेश को लिखे पत्र में मोदी ने केरल के विरोधी राजनीतिक मोर्चों CPI(M) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंटऔर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य में षफिक्स्ड मैचष खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में बीजेपी की पहली जीत के बाद यह व्यवस्था खत्म होने वाली है। प्रधानमंत्री ने लिखा, LDF और UDF का फिक्स्ड मैच –– दिल्ली में दोस्त और केरल में दुश्मन –– अब खत्म होने वाला है। केरल उनके झूठे वादों से आज़ाद होना चाहता है। CPI(M) के नेतृत्व वाला स्क्ष अभी राज्य में सरकार चला रहा है, जबकि कांग्रेस UDF का नेतृत्व करती है। केरल में राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद, ये दोनों राष्ट्रीय स्तर पर प्छक्। गठबंधन के तहत सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी के सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरने को युग बदलने वाला बताया और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद राज्य की राजधानी में बीजेपी के सत्ता में आने पर राजेश, डिप्टी मेयर जीएस आशा नाथ और अन्य पार्टी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने इसे बहुत गर्व और खुशी का पल बताया और इसे ''सुनहरे अक्षरों में लिखा गया'' एक मील का पत्थर बताया। पीएम के अनुसार, तिरुवनंतपुरम में इतिहास रचा गया जब मेयर और डिप्टी मेयर ने शपथ ली, और कहा कि यह फैसला केरल के लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं में, एक नए सवेरे के लिए तैयारी को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस षबिना किसी भेदभाव के राष्ट्रवाद, बिना भ्रष्टाचार के विकास और बिना तुष्टीकरण के शासनष पर आधारित एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है। पार्टी की और तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दशकों से केरल में एक लंबा और मुश्किल सफर तय किया है, जिसे उन्होंने LDF और UDF दोनों के खराब शासन का नाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों ने भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, लेकिन कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता दृढ़ रहे, निडर होकर जनता के मुद्दे उठाते रहे और इंडिया फर्स्ट की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। तिरुवनंतपुरम की अपनी यात्राओं को याद करते हुए मोदी ने कहा कि श्री पद्मनाभस्वामी के आशीर्वाद से इस शहर ने नेता, समाज सुधारक, कलाकार और सांस्कृतिक हस्तियां पैदा की हैं।

उन्होंने कहा कि षविकसित तिरुवनंतपुरमष के लिए पार्टी के विज़न को समाज के सभी वर्गों में समर्थन मिला है, जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न राज्यों में शहरी विकास की पहलों से लोगों को मिली जानकारी का भी योगदान है। उन्होंने श्री नारायण गुरु, महात्मा अय्यंकाली और मन्नथु पद्मनाभन की शिक्षाओं का भी ज़िक्र किया और नए नगर निगम नेतृत्व से शहर की सेवा करते समय उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

इंदौर में हुई मौतों पर भी प्रधानमंत्री हमेशा की तरह मौन हैं: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि ''जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली हो रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का ख़िताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ़ पानी के मोहताज हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 11 साल से देश केवल लंबे–चौड़े भाषण, झूठ–प्रपंच, खोखले दावे, डबल–इंजन की डींगें सुन रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''जब मंत्री जी से सवाल पूछा जाता है तो वो गाली–गलौज पर उतर आते हैं। सत्ता के अहंकार में उल्टा पत्रकार पर हावी हो जाते हैं। भाजपा सरकारों के कुशासन पर पूरी मशीनरी पर्दा डालने में जुट जाती है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली है। उनका कहना था, ''याद दिलाना ज़रूरी है कि इस मिशन के तहत जल जीवन मिशन का 10 प्रतिशत धन दूषित पानी को साफ़ करने के लिए दिया जाता है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''मोदी सरकार और भाजपा ने ना देश को साफ़ पानी मुहैया कराया है और ना ही स्वच्छ हवा। आम जनता भुगत रही है।''

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : उच्चतम न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को "बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम" के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराये गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''आरोपी–अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी–याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी

क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो।'' उन्होंने कहा, ''यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'' पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जान को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, ''अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके।''

इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंदौर में कथित जल प्रदूषण की घटना को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए इसे ज़हर बाँटने का मामला बताया, जबकि प्रशासन कुंभकर्ण

की तरह सो रहा था। इस घटना पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों ने बार–बार गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। राहुल गांधी ने ग पर पोस्ट किया कि इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर–घर मातम है, गरीब बेबस हैं – और ऊपर से ठश्रच नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। राहुल ने आगे लिखा कि लोगों ने बार–बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की – फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने सवाल किया कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?

भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये 'फोकट' सवाल नहीं – ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए ठश्रच का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है।

सड़क हादसा... जन्मदिन पर छिन गई जिंदगी

प्रयागराज। नए साल का पहला ही दिन घूरपुर के बगबना निवासी किसान के घर मातम लेकर चला आया। बृहस्पतिवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे नए साल पर जन्मदिन मनाने जा रहे किसान के बेटे को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने रीवा राजमार्ग को जाम कर दिया। साथ ही पुलिस पर सीसीटीवी कैमरा और स्ट्रीट लाइट बंदकर वसूली करने का आरोप लगाया। वहीं, परिजनों को समझाने के लिए एसीपी कौंधियारा मौके पर पहुंचे। ढाई घंटे के बाद परिजनों ने हाईवे को खाली किया।

थाना घूरपुर के बगबना गांव निवासी बृजेश प्रजापति किसान हैं और मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। उनके तीन बेटों में सबसे छोटा दिनेश प्रजापति (19) इरादतगंज स्थित एक बाइक एजेंसी में काम करता था। नए साल की पहली तारीख यानि बृहस्पतिवार को उसका जन्मदिन था। वह एजेंसी से छुट्टी लेकर दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए गांव जा रहा था।

वह जैसे ही एजेंसी से सड़क पार कर दूसरी तरफ पहुंचा शहर की ओर से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की वह सड़क पर दूर जा गिरा और मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों को बिलखता देख लोग आक्रोशित हो गए और रीवा राजमार्ग जाम कर दिया।

वनवे होने के कारण राजमार्ग पर दोनों तरफ दो किलोमीटर तक जाम लग गया। आक्रोशित भीड़ पीड़ित परिवार वालों को मुआवजा देने की बात करते रहे। उन्हें समझाने के लिए एसीपी कौंधियारा पहुंचे। काफी मान–मनौव्वल के बाद घूरपुर पुलिस ने स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरा चालू कराने और मुआवजे के लिए विधिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। डेढ़ घंटे बाद परिजन घटनास्थल से शव लेकर चौराहे पर पहुंचे। इसी बीच लोगों ने चौराहे पर शव को दोबारा रखकर जाम लगा दिया। अफसर के समझाने पर वह माने।

एंबुलेंस के लिए खोला रास्ता

दिनेश की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। इसी बीच जाम में एक एंबुलेंस फंस गई। ग्रामीणों ने एंबुलेंस को निकलने का रास्ता दिया। वहीं, जाम के दौरान घूरपुर थाने में तैनात एक दरोगा ने सख्ती दिखाते हुए जाम खुलवाने का प्रयास किया। इस पर लोग आक्रोशित हो गए और दरोगा को दौड़ लिया। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला।

बोले अफसर

परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद उन्होंने शव को राजमार्ग से हटाया। पुलिस पर सीसीटीवी कैमरा और स्ट्रीट लाइट बंद कर वसूली के आरोपों की जांच होगी। दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। अब्दुस सलाम खान, एसीपी कौंधियारा।

मासूम को रौंदने के बाद सड़क पर पलटा पिकअप

प्रयागराज। थाना क्षेत्र अंतर्गत चिल्ला गौहानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर सड़क किनारे खेल रहे सात साल के मासूम को तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया। मासूम को रौंदने के बाद पिकअप सड़क किनारे पलट गया। हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर एसीपी बारा और थाना प्रभारी लालापुर मौके पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर मासूम के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। वहीं चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। नत्थे रजक की सात वर्षीय बेटा डिंपल रजक घूरपुर–प्रतापपुर मार्ग पर चिल्ला गांव के पास सड़क किनारे बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी बीच घूरपुर की ओर से लालापुर जा रहे पिकअप ने उसे रौंद दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन इकट्ठा हो गए। सूचना पर एसीपी बारा निकिता श्रीवास्तव व थानाध्यक्ष लालापुर अनुभव सिंह मौके पर पहुंचे। एसीपी बारा ने परिजनों को समझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। डिंपल रजक पांच भाई–बहन में सबसे छोटा था। पिता नत्थेलाल बाहर रहकर नौकरी करते हैं। मां गुड़िया देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। दादा जंगी लाल की तहरीर दी है। थानाध्यक्ष लालापुर अनुभव सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक चालक को लोहे की सरिया लेकर दौड़ाया, राइस मिल बंद कराने की दी धमकी

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के अभय सिंह पुत्र त्रिभुवन सिंह निवासी कोटवा के मुताबिक गांव के पास ही राइस मिल स्थित है। अभय की मिल पर व्यापारिक कार्य के लिए वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। आरोप है कि 19 दिसंबर की शाम को हर्ष सिंह पुत्र राकेश प्रताप सिंह, देशराज उर्फ विमल पुत्र बंकटेश प्रताप सिंह उनके ट्रक चालक से गालीगलौज करते हुए लोहे की सरिया लेकर दौड़ा लिए। शोरगुल सुनकर अभय सिंह एवं मिल में कार्यरत मैनेजर कुलदीप पटेल व अन्य सहयोगी मौके पर पहुंचे तो देखा कि हर्ष सिंह व देशराज सिंह उर्फ विमल गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। भुक्तभोगी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ बुधवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

घर में घुसकर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना क्षेत्र अंतर्गत चकदाउद नगर मोहल्ले में घर में घुसकर मारपीट करने तथा कट्टा लहराकर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को नैनी पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पीड़ित ने आरोपी व अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

जानकारी के अनुसार, चकदाउद नगर मोहल्ला निवासी पंचम लाल निषाद ने एफआईआर में पुलिस को बताया कि बीते 30 दिसंबर की रात को मोहल्ले का ही सोहन कुमार व दो अज्ञात लोग उसके घर पहुंचे और गाली–गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। आसपास के लोगों ने विरोध किया तो वह कट्टा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पीड़ित की एफआईआर पर नैनी पुलिस ने बृहस्पतिवार को रामलीला ग्राउंड के पास से सोहन कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ।

दो दुकानों का शटर तोड़कर लाखों के गहने उठा ले गए चोर

प्रयागराज। सरंगापुर बाजार में नए साल की पूर्व संध्या पर दो सराफा दुकानों का शटर तोड़कर चोर लाखों के गहने उठा ले गए। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की है। भूपेंद्र सोनी पुत्र नेबू लाल निवासी चंपतपुर ने सरंगापुर बाजार में ज्वेलरी की दुकान खोल रखी है। बुधवार की रात भूपेंद्र दुकान बंद कर घर चले गए। रात में चोर शटर काटकर चोर दुकान में रखे सोने–चांदी के आभूषण उठा ले गए। आसपास के लोगों ने सुबह दुकान का शटर कटा देखा तो दुकानदार को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दुकानदार ने दो लाख के सोने–चांदी के गहने चोरी होने के आरोप लगाए हैं।

भूपेंद्र सोनी के ठीक सामने बगबना निवासी लकी सोनी की भी ज्वेलरी की दुकान है। चोर उनकी दुकान का शटर काटकर 35 हजार के गहने उठा ले गए। चोरी की दोनों घटनाएं दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। लकी सोनी ने भी पुलिस से शिकायत की है। दुकानदारों ने बताया कि पिछले वर्ष भी उनकी दुकानों में चोरी हुई थी। आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

शहर को वायु प्रदूषण से नहीं मिली राहत, एक्यूआई 300 के पार

प्रयागराज। नए साल 2026 का आगमन हो चुका है। प्रयागराज में नए साल के पहले दिन भी शहर की हवा बेहद खराब स्थिति में रही। बृहस्पतिवार को भी तीनों इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर यानी खतरनाक श्रेणी में रहा। ठंड, कोहरे और हवा की धीमी गति के चलते शहर की हवा में प्रदूषक ज्यादा देर तक बने रह रहे हैं। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहने के आसार हैं। बृहस्पतिवार की शाम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से लगाई गई लाइव सेंसर मशीन में सबसे ज्यादा खराब वायु प्रदूषण झूंसी में रहा। यहां पीएम 2.5 का स्तर 354 रहा। इसी प्रकार, पीएम 10 का स्तर 292 दर्ज किया गया। दूसरे स्थान पर तेलियरगंज इलाका रहा। यहां पर एमएनआईटी में लगाई गई लाइव सेंसर मशीन ने पीएम 2.5 का स्तर 340 और पीएम 10 का स्तर 173 दर्ज किया। सिविल लाइंस के नगर निगम कार्यालय में लगाई गई लाइव सेंसर मशीन ने पीएम 2.5 का स्तर 306 एवं पीएम 10 का स्तर 163 दर्ज किया।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अध्ययन में हाई बीपी को लेकर बड़ा खुलासा

प्रयागराज। प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के फूड टेक्नोलॉजी विभाग के अध्ययन में पाया गया कि 35 से 64 वर्ष के 611 पुरुषों में से 24: उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। खराब खान–पान, धूम्रपान, शराब और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। मध्यम वर्ग के 45 से 54 वर्ष के पुरुष सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। संगमनगरी प्रयागराज के पुरुषों और महिलाओं की सेहत पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के फूड टेक्नोलॉजी विभाग के अध्ययन ने चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री आरना सिंह राजपूत के जन्म प्रमाण पत्र में पिता का नाम बृजेन्द्र कुमार राजपूत अंकित है, जो कि अशुद्ध है, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में पिता का नाम बृजेन्द्र कुमार राजपूत के स्थान पर बृजेन्द्र कुमार कर नियमानुसार शुद्ध किया जाना न्याय हित में है।

बृजेन्द्र कुमार पुत्र रामेश्वर प्रसाद
पता- यू.पी. बोर्ड ऑफिस के नजदीक, सिविल लाइन्स सब्जी मण्डी, प्रयागराज (उ.प्र.)

नए साल पर कई ट्रेनों का नया टाइम टेबल होगा लागू, माघ मेला के लिए ट्रेनों के बढ़ाए स्टॉप

प्रयागराज। मुरादाबाद मंडल में नए साल पर रेल परिचालन को और व्यवस्थित व सुरक्षित करने के लिए नया वर्किंग टाइम टेबल एक जनवरी से लागू किया जा रहा है। इस नए टाइम टेबल के तहत रेल परिचालन से संबंधित कई परिवर्तन किए गए हैं।

मुरादाबाद मंडल में नए साल पर रेल परिचालन को और व्यवस्थित व सुरक्षित करने के लिए नया वर्किंग टाइम टेबल एक जनवरी से लागू किया जा रहा है। इस नए टाइम टेबल के तहत रेल परिचालन से संबंधित कई परिवर्तन किए गए हैं। इसका उद्देश्य समयपालन सुनिश्चित करना, यात्री व माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाना है।

नए टाइम टेबल में रुड़की–देवबंद के बीच 29.55 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन को शामिल किया गया है। यह मार्ग 25 टन एक्सल लोड के लिए उपयुक्त है, जिससे मालगाड़ियों का परिचालन और सुदृढ़ होगा। इसी रेल खंड पर दो नए रेलवे स्टेशन बनेड़ा खास और झबरेड़ा का निर्माण कर इसे रेलखंड में शामिल किया गया है। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने यात्रियों से एक जनवरी के बाद यात्रा से पहले नई समय–सारणी देखकर ही निकलने को कहा है।

नई टाइम टेबल रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, पूछताछ काउंटर और अधिकृत माध्यमों पर उपलब्ध रहेगी। सीनियर डीसीएम ने बताया कि देहरादून–कोटा एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन किया गया है। इसके अलावा 18 नई गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। साथ ही छह गाड़ियों का विस्तार किया जा रहा है। वहीं कई ट्रेनों के ठहराव समय में बढ़ोत्तरी के साथ ही नए ठहराव स्टेशन भी बनाए गए हैं।

चौरीचौरा और पुणे एक्सप्रेस का झूंसी में दो मिनट अतिरिक्त ठहराव

रेलवे प्रशासन द्वारा महाकुम्भ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए कुछ ट्रेनों का दो मिनट का अतिरिक्त अस्थाई ठहराव प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर दिया गया है। यह जानकारी सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने दी है।

– गोरखपुर से 3, 4, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 29, 30, 31 जनवरी, 1, 12, 13, 14, 15 फरवरी को चलने वाली 15004 गोरखपुर–कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव झूसी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर होगा।

– कानपुर अनवरगंज से 3, 4, 5 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 30, 31 जनवरी, 1, 2, 13, 14, 15, 16 फरवरी को चलने वाली 15003 कानपुर अनवरगंज–गोरखपुर एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर होगा।

– पुणे से 15, 22, 29 जनवरी एवं 12 फरवरी को चलने वाली 11037 पुणे–गोरखपुर एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर प्रदान किया जाएगा।

– गोरखपुर से 3, 17, 24, 31 जनवरी एवं 14 फरवरी, 2026 को चलने वाली 11038 गोरखपुर–पुणे एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव झूसी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर होगा।

माघ मेला से पहले संतों का गुस्सा फूटा, सुविधा न मिलने पर चक्काजाम, अफसरों का पुतला फूंका

प्रयागराज। माघ मेला का पहला स्नान पर्व शनिवार को है लेकिन अब तक संतों को सुविधा नहीं मिल सकी है। प्रशासनिक उपेक्षा से नाराज कई अखाड़ों के साधु–संत गुरुवार को ओल्ड जीटी मार्ग स्थित कार्यालय पर पहुंचे और दरवाजा बंद कर वहीं चक्का जाम कर दिया।

माघ मेला का पहला स्नान पर्व शनिवार को है लेकिन अब तक संतों को सुविधा नहीं मिल सकी है। प्रशासनिक अफसर फोन उठा नहीं रहे हैं तो संतों के सब्र का बांध गुरुवार को टूट गया। प्रशासनिक उपेक्षा से नाराज कई अखाड़ों के साधु–संत गुरुवार दोपहर बाद ओल्ड जीटी मार्ग स्थित सेक्टर छह के कार्यालय पर पहुंचे और कार्यालय का दरवाजा बंद कर वहीं चक्का जाम कर दिया। मनाने के लिए पुलिस के अफसर पहुंचे तो संतों ने उन्हें बैरंग लौटाया और मंडलायुक्त, जिलाधिकारी या मेलाधिकारी को बुलाने की मांग रखी। नाराज संतों ने मेला प्रशासन के अफसरों का पुतला भी फूंका।

पहला स्नान पर्व तीन जनवरी को है। लेकिन अभी मेला क्षेत्र में काम पूरा नहीं हो सका है। कई संस्थाओं के शिविर तक नहीं लगे हैं। प्रदर्शनकारी संतों ने आरोप लगाया कि प्रशासन सारा काम एक ही संस्था से करा रहा है, जबकि उसके पास संसाधन नहीं है। मेले की तैयारियों में जब देर हुई तो सुविधा देने वाली एजेंसियों को बढ़ाना चाहिए था और उनके ऊपर काम बांटने चाहिए थे। इसके साथ ही अफसरों पर यह भी आरोप लगाया कि पहले जमीन देने में देर की और अब सुविधा नहीं दे रहे हैं। अधिकारी एक संत के यहां जाकर रोटियां सेंक रहे हैं और दूसरे साधु–संतों को ऐसे छोड़ दिया है कि मेला से उनका कोई सरोकार नहीं है।

संतों ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि मेला पैंट वालों का नहीं है वो हमें देखें, हम भी पैंट वाले नहीं हैं। इसके बाद भी परेशान किया जा रहा है। इस दौरान सेक्टर छह के सेक्टर मजिस्ट्रेट हंसराज जैसवार ने वार्ता का प्रयास किया तो संत नारेबाजी करने लगे और उनसे कहा कि अव्यवस्था के लिए वो भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। प्रदर्शन करने वालों में जूना अखाड़े के थानापति अभेद्ययानंद गिरि, निरंजनी अखाड़े के गोपालानंद गिरि, आवाहन अखाड़े के महंत विनय गिरि, दिगंबर गोविंद भारती, महंत प्रणवदास, शृंग्वेरपुर से लवलेशानंद मौजूद थे।

संवादहीनता आक्रोश का बड़ा कारण

संतों के आक्रोश का बड़ा कारण संवादहीनता बन गया है। दरअसल, अफसर किसी का भी फोन नहीं उठा रहे हैं। वहीं पिछले दिनों मेला प्राधिकरण कार्यालय में आत्मदाह के प्रयास के बाद लाल सड़क के सामने मेला प्रशासन का जो स्थायी कार्यालय है, वहां पर बैरिकेडिंग कर दी गई है और आम नागरिकों को पुलिस प्रवेश ही नहीं करने दे रही है। ऐसी स्थिति में परेशान संतों को इस बात की नाराजगी है कि वो अपनी बात कहें तो किससे कहें। त्रिवेणी मार्ग पर प्रशासन का अस्थायी कार्यालय भी अब तक नहीं बन सका है। यही बढ़ते आक्रोश का कारण है।

गोशाला में अव्यवस्था की मार झेल रहे मवेशी

प्रयागराज। शृंग्वेरपुर धाम क्षेत्र में संचालित गोशालाओं में अव्यवस्था की मार मवेशियों को झेलना पड़ रहा है। यहां मवेशियों के लिए ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। यहां कई गोशालाओं में न तो पर्याप्त भूसा उपलब्ध है और न ही तिरपाल। हालांकि, अलाव या कुछ बंद शेड की व्यवस्था की गई है। इससे गोवंशों को खुले में सर्द हवाओं और कोहरे का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गोशालाओं के संचालन में लापरवाही बरती जा रही है। कोराली के बाबर कहते हैं कि बगल के ही गांव में गोशाला है, जो केवल नाम का है। इस भीषण सर्दी में सैकड़ों मवेशी दिन–रात खुले में विचरण करते रहते हैं और कई बीमार पड़ रहे हैं। लाई गांव के किसान जगन्नाथ यादव का कहना है कि ठंड से बचने के लिए मवेशी खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वहीं, बेरावांरोड के मोहित केसरवानी ने कहा कि आवारा पशुओं से लखनऊ नेशनल हाईवे पर अक्सर राहगीर दुर्घटनाग्रसत होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गोशालाओं में तत्काल ठंड से बचाव के इंतजाम किए जाएं।

गोशालाओं में पर्याप्त भूसे चारे के इंतजाम के लिए कहा गया है। ठंड को देखते हुए तिरपाल से शेड को ढकने का निर्देश दिया गया है। यदि कहीं भी लापरवाही मिलेगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। –लीलाधर शुक्ल, बीडीओ शृंग्वेरपुरधाम, प्रयागराज।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के मंडौर गांव में बृहस्पतिवार की सुबह 11 बजे विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मंडौर निवासी राहुल भारतीय पुत्र राजेश की शादी 2024 में भदोही के ऊंज थाना क्षेत्र के ठकुराइन पूरा गांव निवासी अरविंद की बेटी डाली (24) के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति–पत्नी के बीच दहेज को लेकर विवाद होता रहता था। आरोप है कि दहेज के विवाद को लेकर पति–पत्नी को प्रताड़ित करता था। बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे खाना खाकर घर के परिजन जब मजदूरी करने चले गए। इसी दौरान डाली का शव पंखे में फंदे से लटका मिला। पड़ोसी महिला उसके घर घरेलू सिलिंडर लेने पहुंची तो मंजर देख सन्न रह गई। बाहर आकर लोगों को जानकारी दी।

ग्राम प्रधान ने जानकारी पुलिस को दी। मायके वाले भी सूचना पर पहुंच गए। मृतका की मां सैला, भाई सूरज, दादा राजाराम ने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है।

फॉरेंसिक टीम और एसीपी हंडिया भी मौके पर पहुंच गए। एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय ने बताया कि विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। मामला दहेज उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है। जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेजा कताई मिल की जमीन को देखने पहुंचे यूपीसीडा के अफसर

प्रयागराज। बंद पड़ी मेजा कताई मिल की जमीन पर लघु उद्योग स्थापित करने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। बृहस्पतिवार को यूपीसीडा (उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के अफसर जमीन देखने पहुंचे।

मेजा पहाड़ी पर मेजा कताई मिल स्थापित थी। घाटे में चलने की वजह से वर्ष 1998 में उसे बंद कर दिया गया था। इधर, बंद पड़ी कताई मिल की बिल्डिंग को ध्वस्त कर जमीन को समतल कर दिया गया था। बताया जाता है कि इस जमीन पर यूपीसीडा टेक्सटाइल पार्क बनाने की कवायद में जुटा हुआ है।

गौरतलब हो कि 80 के दशक में पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मेजा पहाड़ी पर 175 एकड़ जमीन पर कताई मिल की स्थापना कराई थी। जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिला था। श्रमिक नेता राम प्रताप पांडेय ने बताया कि कताई मिल को देखने यूपीसीडा के अधिकारी आए थे।

अब जीना नहीं... ये बोल– किसान ने पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग, थम गई सांसें

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के ग्राम रोझियात गांव में किसान ने घरेलू कलह से परेशान होकर बुधवार को घर में पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग के हवाले कर दिया। किसान को आग की लपटों में लिपटा देख घरवाले सहम गए। काफी कोशिशों के बाद घरवालों ने आग बुझाई और गंभीर हालत में किसान को सीएचसी मऊआइमा पहुंचाया। जहां से एसआरएन अस्पताल ले जाया गया। वहां बृहस्पतिवार की सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिवराम पटेल (50) वर्ष पुत्र स्व. गयादीन पेशे से किसान थे। बीते कई दिनों से वह पारिवारिक कलह से परेशान थे। परिजनों ने बताया कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण इलाज चल रहा था। बुधवार सुबह वह घर में पेट्रोल लेकर पहुंचे और बोले–अब जीना नहीं है। जब तक परिजन कुछ समझ पाते किसान ने पूरे शरीर पर पेट्रोल छिड़क लिया और खुद को आग के हवाले कर दिया। कमरे से आग की लपटें उठीं तो परिजन सहम गए। उन्होंने किसी तरह से आग बुझाई। किसान को अस्पताल ले जाया गया। जहां बृहस्पतिवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शाम को दारागंज घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक को एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी का कहना है कि मृतक के परिजनों ने उन्हें कोई सूचना नहीं दी हैं। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

अवध विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर से ठगी, जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। प्रयागराज में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अवध नारायण के साथ 5 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। आरोपियों ने जमीन के बैनामे का हवाला देकर पैसे लिए और फिर लौटाने पर जान से मारने की धमकी दी। कर्नलगंज पुलिस ने मामला दर्ज किया है। प्रयागराज में गुंडागर्दी और ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां अवध यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अवध नारायण न सिर्फ ठगी का शिकार हुए बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिली। मामला कर्नलगंज इलाके का है। शिवकुटी के रहने वाले प्रोफेसर अवध नारायण ने आरोप लगाया है कि कर्नलगंज के अमित यादव ने उन्हें छोटा बघाड़ा में जमीन बेचने का झांसा दिया था। बात 2015 की है जब उन्होंने जमीन के लिए अमित को पांच लाख रुपये एडवांस दे दिए थे। पैसे लेने के बाद अमित ने रंग दिखाना शुरू कर दिया और जमीन की रजिस्ट्री करने के बजाय सालों तक तरह–तरह के बहाने बनाता रहा। जब प्रोफेसर ने थक–हारकर अपने पैसे वापस मांगे तो अमित ने सारी हदें पार कर दीं। आरोप है कि वह अपने बंदूकधारी साथियों के साथ प्रोफेसर के घर में घुस आया और उन्हें धमकाया कि अगर पैसे मांगे या पुलिस के पास गए तो जान से हाथ धोना पड़ेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी की कैंप कार्यालय में बैठक संपन्न

मुजफ्फरनगर। जिला कांग्रेस कमेटी के कोर्ट रोड स्थित कैंप कार्यालय पर आज कांग्रेस सेवादल की बैठक हुई ,जिसमें उत्तर प्रदेश पश्चिमी जोन के सेवादल अध्यक्ष अनिल देव त्यागी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी के नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के हाथ मजबूत करने की अपील की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल मित्तल ने कहा कि जब तक जनपद कांग्रेस नेतृत्व गांव–गांव, गली–गली ,मोहल्ले मोहल्ले जाकर पार्टी के पुराने वफादार कार्यकर्ताओं से संपर्क नहीं करेगा तब तक

कांग्रेस पार्टी की जड़े मजबूत नहीं होगी। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतपाल कटारिया ने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी लगन के साथ कार्य करने का अपना संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल मुजफ्फरनगर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नौशाद अल्वी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश सेवादल के महासचिव अनिल प्रेमी ,पश्चिमी उत्तर प्रदेश सेवादल के सचिव पवन थापा, जफर महमूद ,यासीन, नासिर अली, पूर्व जिला अध्यक्ष हरेंद्र त्यागी, सुरैया, राबिया ,नौशाद आलम ,सोशल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सद्दाम सिद्दीकी ,रिजवान सिद्दीकी आदि सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के पास नाला जाम, टूटे पिलर और कूड़े से जनजीवन प्रभावित

मुजफ्फरनगर। जिला अस्पताल के समीप उस स्थान पर, जहाँ कूड़ा डंप किया जाता है, नगर पालिका परिषद द्वारा नाले के ऊपर बनाए गए पिलर टूटकर नाले में गिर रहे हैं। वहीं पास में स्थित ट्रांसफार्मर के नजदीक वर्षों पूर्व जेसीबी द्वारा नाले में गिराई गई दीवार अब तक नहीं हटाई गई है। इसके कारण नाले में भारी मात्रा में कूड़ा जमा हो गया है और लोग लगातार उसमें कचरा डाल रहे हैं।

नाले के चोक हो जाने से गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में नगर पालिका को लिखित आवेदन भी दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त स्थान पर पक्की दुकानें बनवाई जाएँ तो नगर पालिका को अच्छी आय होगी और क्षेत्र का विकास भी होगा। जनहित को देखते हुए नाले की तत्काल सफाई, मरम्मत और स्थायी समाधान की माँग की जा रही है। अगर चाहें तो मैं इसे और छोटा, कड़ी भाषा में, या नगर पालिका के खिलाफ़ विशेष रिपोर्ट के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

सात दिवसीय नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्री के प्रशिक्षण का शुभारंभ

प्रतापगढ़। आज दिनांक 2 जनवरी 2026 को क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ़ पर विकासखंड पट्टी शिवगढ़ एवं रामपुर संग्रामगढ़ की नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सात दिवसीय आवासीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सदर विधायक श्री राजेंद्र मौर्य द्वारा किया गया इस अवसर पर संस्थान के आचार्य डॉ संतोष कुमार गुप्ता जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती ज्योतिष शाक्य प्रचार प्रशिक्षण अधिकारी श्री प्रेम कुमार वर्मा प्रशिक्षण प्रभारी प्रवीण कुमार एवं व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थिति रही।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-नीलामी आमंत्रण सूचना
भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मण्डल रेल प्रबंधक/वाणिज्य, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई–नीलामी का आयोजन किया गया है:–
ई–नीलामी कैटलाग सं: BSB-Vinyl-EF-25
कार्य का विवरण:– ट्रेन संख्या: 15119/20, 15181/82, 22539/40, 15107/08, 15127/28, 22541/42, 22583/84, 15125/26, 15131/32 एवं 12581/82 के बाह्य भाग पर विनाईल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्य विज्ञापन का प्रदर्शन। अनुबंध की अवधि: 03 वर्ष, ई–नीलामी की तिथि: 16-01-2026, ई–नीलामी का समय: 10.00 बजे से आरंभ।
अमानत राशि (ब.मं.): कॉन्ट्रैक्ट की वार्षिक कीमत का 10%, वेबसाइट: www.ireps.gov.in
नोट: (1) ई–नीलामी IREPS (E-Auction Leasing Portal) पर निर्धारित तिथि एवं समय पर ऑनलाईन होगी। (2) ई–नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू. 10,000/- + GST (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार पंजीकरण कराना आवश्यक है एवं साथ ही उसके पास भारतीय स्टेट बैंक (SBI) में चालू खाता हो जो IREPS से लिंक हो. अमानत राशि (EMD) का भुगतान/कटौती ऑनलाईन उसी खाते से होगी। (3) ई–नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E-Auction leasing Section में उपलब्ध है।
मण्डल रेल प्रबंधक (वा.)
मुजाधि/वाणिज्य–218 वाराणसी
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

अलाव जलाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने महापौर लखनऊ एवं नगर आयुक्त को पत्र लिखकर शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की मांग की है। कड़ाके की ठंड से सबसे अधिक प्रभावित गरीब, असहाय, निराश्रित, बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे हैं, जो फुटपाथों, खुले स्थानों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा झुग्गी–झोपड़ी क्षेत्रों में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। रात के समय तापमान में भारी गिरावट के कारण इन लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रीय लोकदल ने नगर निगम से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों पर तत्काल अलाव जलवाने की व्यवस्था की जाए।

रंगमंच की गंगा कितनी पावन कितनी पतित विषयक गोष्ठी सपन्न

प्रयागराज। अभिनव सांस्कृतिक संगठन के तत्वावधान में अपने 48वें स्थापना दिवस पर कार्यालय कालाडांडा प्रयागराज में रंगमंच की गंगा दृ कितनी पावन, कितनी पतित विषय पर एक विचारोत्तेजक गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। गोष्ठी में रंगमंच की वर्तमान स्थिति, उसकी वैचारिक शुचिता, सामाजिक दायित्व और समकालीन चुनौतियों पर गंभीर विमर्श किया गया।

गोष्ठी में प्रख्यात अन्तर्राष्ट्रीय चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने रंगमंच की तुलना गंगा के प्रवाह से करते हुए कहा कि इसमें पवित्रता अत्यधिक और विकृतियां कम हैं थोड़ी सावधानी बरती जाए तो विकृतियां खत्म हो सकती हैं। वरिष्ठ निर्देशक अजय मुखर्जी ने रंगमंच की सामाजिक प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि रंगकर्म तभी सार्थक है जब वह जनसरोकारों से जुड़ा रहे। वरिष्ठ रंगकर्मी सुबोध सिंह, गुरुविंदर सिंह तथा राकेश वर्मा ने समकालीन रंगमंच में व्यावसायिक दबाव, मौलिकता के संकट और दर्शक–संवेदना पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने चिंता व्यक्त की कि आज रंगमंच को अपनी पावन परंपरा और वैचारिक गरिमा को बनाए रखने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है। कार्यक्रम में ऋचा शुक्ला, समृद्धि गौड़, शादमा खातून, अभिषेक सिंह रेडियो कम्पेयर एवं रंगकर्मी तथा प्रमिल अस्थाना अभिनव के प्रथम सचिव, अजय मुखर्जी विनोद रस्तोगी संस्थान से, आलोक नगर द थर्ड बेल संस्था से, राकेश वर्मा समयांतर संस्था से, अभिनव संस्था की वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव तथा संस्थापक सचिव प्रवीण अस्थाना सहित प्रयागराज के अनेक महत्वपूर्ण और सक्रिय रंगकर्मियों की उल्लेखनीय व्याख्यान रहे। गोष्ठी के दौरान खुली चर्चा में युवा कलाकारों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

गोष्ठी का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि रंगमंच की गंगा को वैचारिक रूप से निर्मल, सामाजिक रूप से प्रासंगिक और सृजनात्मक रूप से जीवंत बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

12वीं तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद

सीएम योगी बोले– कोई भी खुले में ना सोए

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ समेत प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। राजधानी घने कोहरे की चपेट में है। बढ़ती ठंड को देखते हुए योगी सरकार ने 12वीं तक के स्कूल–कॉलेज 5 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए हैं। सीएम योगी ने कहा यह आदेश आईसीएसई, सीबीएससी, यूपी बोर्ड के सभी स्कूलों पर लागू होगा। अधिकारी क्षेत्र में रहें। कंबल और अलाव का इंतजाम करें। कोई भी व्यक्ति खुले में सोए न मिले। रैन बसेरों में सभी व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अधिकारी रैन बसेरों का औचक निरीक्षण करें। इससे पहले

सीएम ने 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक 12वीं तक स्कूल बंद किए थे। प्राइमरी स्कूलों में एक से 14 जनवरी तक छुट्टी पहले से घोषित है। मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों में कंबल वितरण और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। खासतौर पर गरीब, निराश्रित और सड़क किनारे रहने वाले लोगों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचाई जाए। सीएम योगी ने निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। इसके लिए रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर, कंबल, हीटर और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि सभी रैन बसेरों में साफ–सफाई, बिजली, पानी और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की जाए।

मायावती का सरकार पर तीखा हमला

इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों को बताया सरकारी गैर–जिम्मेदारी का नतीजा

लखनऊ, संवाददाता। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों और कई अन्य लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की खबर ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस दर्दनाक घटना पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद, चौंकाने वाला और सरकारी गैर–जिम्मेदारी का नतीजा बताया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश राज्य के इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत तथा अन्य अनेक लोगों के बीमार हो जाने की अति–दुखद एवं चौंकाने वाली खबर काफी चर्चा में है तथा ऐसी सरकारी गैर–जिम्मेदारी व उदासीनता को लेकर लोगों में स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में व्यापक आक्रोश भी स्वाभाविक है।उन्होंने कहा, वैसे तो लोगों को खासकर साफ हवा और पानी आदि मुहैया कराना हर सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है, किन्तु यहां अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की तरह ही बुनियादी जनसुविधा के सम्बंध में भी सरकारी लापरवाही व भ्रष्टाचार आदि काफी घातक साबित हो रहा है तथा परिवार उजड़ रहे हैं, यह अति–दुखद व अति–चिंतनीय है। इस प्रकार की नागरिकों के जान से खिलवाड़ करने की शर्मनाक घटना की रोकथाम के लिये राज्य सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते रहने की जरूरत है।मायावती ने आगे कहा कि केंद्र की सरकार को भी इसका उचित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई जरूर करनी चाहिए, ताकि देश के किसी अन्य राज्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं ना होने पाएं। बता दें कि इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से 7 लोगों की मौत और 40 से अधिक लोगों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस घटना को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस घटना में हुई मौतों की संख्या को लेकर अलग–अलग दावे हैं। सरकारी आंकड़ों में 4–7 मौतें बताई जा रही हैं, जबकि स्थानीय निवासी और कुछ रिपोर्ट्स में 10–13 तक का दावा किया गया है, जिसमें एक 6 महीने का मासूम बच्चा भी शामिल है। 100 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां डायरिया, उल्टी और अन्य जलजनित बीमारियों के लक्षण पाए गए हैं।

जीरो पावर्टी की ओर यूपी, योगी सरकार का मॉडल ले रहा आकार

हर पात्र परिवार को योजनाओं से जोड़कर गरीबी का दुष्चक्र तोड़ने की तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में गरीबी उन्मूलन अब महज नीतिगत घोषणा नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित 'जीरो पावर्टीश मिशन ने प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन को जोड़ते हुए सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है। इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है, हर पात्र परिवार को योजनाओं से जोड़ा जाए। दो चरणों में किए गए व्यापक अभ्यास से साफ हो गया है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर ध्यान केंद्रित है। लखनऊ के गोसाईगंज में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू जीता जगता उदाहरण हैं, जिन्हें योजना के तहत मकान, पानी, सड़क, बिजली, राशन समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से लैस किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा जीरो पावर्टी अभियान के तहत लखनऊ के गोसाईगंज में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू को मकान, पानी, सड़क, बिजली, राशन समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश भर में वंचितों को चिन्हित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। लाभार्थी योगी सरकार की तारीफ करते नहीं थक रहे। इनका कहना है कि योगी सरकार का जीरो पावर्टी मिशन केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि भोजन, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा, जल, ऊर्जा और आजीविका से जुड़े समग्र समाधान का नाम है। यह अभियान उत्तर प्रदेश को समावेशी विकास और सामाजिक सुरक्षा के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक पहल है।जीरो पावर्टी अभियान के प्रथम चरण में 8 प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत पात्र परिवारों को शत–प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया।

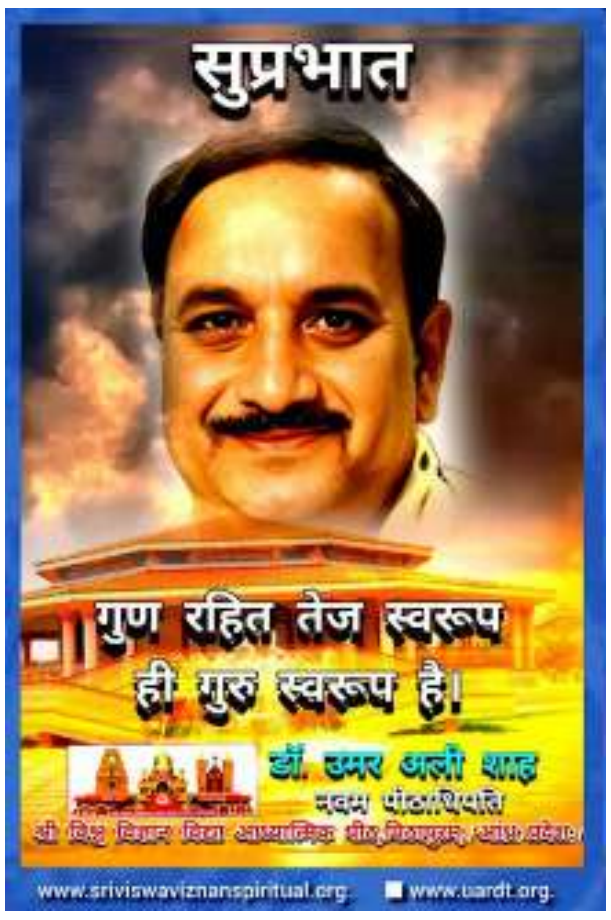

प्यारे प्यारे पुहुप

(कुण्डलिया)

बिन स्वारथ साथी बने, गाएँ मंगल गान।
गुण यह सारे फूल के, रचते मधुर विधान।
रचते मधुर विधान, बैठ हरि के चरणों में।
सबको कहकर एक, रह रहे हर धर्मों में।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बन छायापथ।
भरकर प्रेम सुवास, पुष्प खिलते बिन स्वारथ।।

चाहे पुष्प गुलाब हो, या लतेर का फूल।
सबकी निज पहचान है, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल, करे परमारथ सारे।
प्यारे प्यारे पुहुप, लगें हर इक को न्यारे।
समझो इसे प्रदीप, सुमन सबको क्यों भाये।
हँसकर करते काम, वक्त जैसा भी चाहे।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे
टेण्डर संख्या- 230-वि./क.वि/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/608 दिनांक 31.12.2025
ई-निविदा सूचनां
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-
निविदा सं.: 230-क.वि.-कार्य ठेका-997-2025
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टीआरडी विभाग द्वारा पनकी पावर हाउस और सेल साइडिंग पनकी के ओवर हेड उपकरण (ओएचई) का दो वर्षों तक रखरखाव का कार्य।

अनुमानित लागत	बिड सुरक्षा राशि	कार्य अवधि	बोली प्रणाली
₹ 83,81,918.27	₹ 1,67,600.00	24 महीना	एक पैकेट

निविदा बंद होने की तिथि तथा समय: 22.01.2026, 14.00 बजे, निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 22.01.2026, 15.00 बजे।
नोट- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2551/25 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना
भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित रेलगाड़ियों का प्रयाग स्टेशन पर दिनांक 01.01.2026 से 20.02.2026 तक (02 मिनट) का अस्थायी ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	गाड़ी नाम	कहाँ से	कहाँ तक	ठहराव का समय आगमन	ठहराव का समय प्रस्थान
20416	इंदौर-वाराणसी सु. एक्स.	इंदौर	वाराणसी	01:24	01:26
20941	बांन्द्रा टर्मिनस-गाजीपुर सिटी एक्स.	बांन्द्रा टर्मिनस	गाजीपुर सिटी	01:58	02:00
12382	पूर्वा एक्सप्रेस	नई दिल्ली	हावड़ा	02:13	02:15
12669	चेन्नई सेन्ट्रल-छपरा सुपरफास्ट एक्स.	चेन्नई सेन्ट्रल	छपरा	02:28	02:30
22434	आनन्द विहार (ट.)-गाजीपुर सिटी एक्स.	आनन्द विहार (ट.)	गाजीपुर सिटी	04:28	04:30
12165	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर एक्स.	लोकमान्य तिलक (ट.)	गोरखपुर	04:43	04:45
22183	लोकमान्य तिलक (ट.)-अयोध्या कैंट एक्स.	लोकमान्य तिलक (ट.)	अयोध्या कैंट	04:44	04:46
12539	यशवंतपुर-लखनऊ एक्स.	यशवंतपुर	लखनऊ	05:23	05:25
11055	गोदान एक्सप्रेस	लोकमान्य तिलक (ट.)	गोरखपुर	09:03	09:05
11059	छपरा एक्सप्रेस	लोकमान्य तिलक (ट.)	छपरा	09:03	09:05
18205	दुर्ग-नौतनवाँ एक्स.	दुर्ग	नौतनवाँ	11:18	11:20
22103	लोकमान्य तिलक (ट.)-अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्स.	लोकमान्य तिलक (ट.)	अयोध्या कैंट	11:59	12:01
22683	यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस	यशवंतपुर	लखनऊ	13:21	13:23
22550	वंदे भारत	प्रयागराज	गोरखपुर	15:28	15:30
11071	कामायनी एक्सप्रेस	लोकमान्य तिलक (ट.)	बलिया	16:28	16:30
22584	अंत्योदय एक्सप्रेस	लोकमान्य तिलक (ट.)	छपरा	18:34	18:36
22468	गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी सु.फास्ट एक्स.	गाजीपुर सिटी	वाराणसी	20:48	20:50
22613	श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस	रामेश्वरम	अयोध्या कैंट	22:56	22:58
22969	ओखा-वाराणसी एक्स.	ओखा	वाराणसी	23:23	23:25
14231	मनवर संगम एक्स.	प्रयागराज संगम	बस्ती	05:07	05:09
22549	वंदे भारत	गोरखपुर	प्रयागराज	12:58	13:00
14232	मनवर संगम एक्सप्रेस	बस्ती	प्रयागराज संगम	19:36	19:38

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 04/26(MG)

सम्पादकीय.....

सेहत का नया साल

आज हम एक नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। नववर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। मंगलकामनाएं अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन नये वर्ष के आगमन के उत्साह में हम इकतीस दिसंबर को देर रात तक नये साल के जश्न में जुटे रहते हैं। इधर देश में प्रयोगधर्मी खानपान व नशीली पार्टियों का फैशन जैसा बन गया है। देर रात तक चलने वाली पार्टियों के बाद नये साल के पहले दिन ही हमारी नींद देर से खुलती है। फिर नये साल का पहला दिन ही सुस्ती और आलस्य के साथ शुरू होता है। कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है। अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता–ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वतरू बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। यह तथ्यपरक है कि हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं। नया साल न तो कोई जादू है और न ही चमत्कार करने वाला होता है। महज एक नये दिन मानक होता है। नया दिन बदलाव के संकल्प का और उससे जीवन को सुखमय बनाने का। यूं भी जब जनवरी के पहले दिन का आगमन होता है तो शीत का प्रकोप होता है, जिसके चलते जीवन की गति मंथर हो जाती है। संभवतः शीतजनित इस नीरसता व एकरसता को तोड़ने के लिए दुनिया में नववर्ष के उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने की परंपरा शुरू की गई होगी। सही मायनों में उत्सव का उल्लास हमारे तन–मन को स्वस्थ और मंगलमय बनाने के लिए होता है। लेकिन इस दौरान हम खानपान को लेकर अराजक व्यवहार करने लगते हैं। दरअसल, हमारा शरीर बेहद संवेदनशील व हमारी सेहत के प्रति सचेत होता है। शरीर का अपना उन्नत सुरक्षा–तंत्र लगातार हमारे स्वास्थ्य की फिक्र करता है। वह शरीर को सर्दी–गर्मी के अनुरूप अपना ताप नियंत्रित कर हमारे जीवन की रक्षा करता है। वह बार–बार संकेतों से हमें सचेत करता है। हम उसकी आवाज अनसुनी कर देते हैं। एक सीमा तक वह इसे बर्दाश्त करता है, लेकिन फिर असहाय होने की स्थिति में बीमार पड़ जाता है। अक्सर देखते हैं कि नये साल के जश्न, शादी–विवाह व मुफ्त की पार्टियों में हम जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं। लेकिन खाने–पीने की अराजकता पेट को लगातार परेशान करती है। उत्सव व पार्टी में हम सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा खा लेते हैं। योग दर्शन बताता है कि पेट को चार भागों में मानकर दो भाग खाने के लिये, एक पानी और एक आकाश तत्व के लिये रखें। आकाश तत्व यानी खाली रखने के लिए, जिससे पाचन की क्रिया सुगम होती है। हम किसी मशीन में भी कोई पदार्थ ठूंस–ठूंस कर भर दें, तो उसकी गति बाधित होती है। फिर पेट तो कोमलअंगी होता है। जापान के एक द्वीप में सौ से अधिक उम्र के सैकड़ों लोग मौजूद है, जिसने पश्चिमी शोधकर्ताओं को चकित किया। शोध में पता चला कि श्रमशील व प्रसन्न रहने वाले इस द्वीप के लोगों की एक खास आदत है, जब उन्हें लगता है कि खान पर्याप्त हो गया है, तो वे थाली का खाना उसी वक्त छोड़ देते हैं। यही उनकी लंबी उम्र का राज भी है। दरअसल, भूख हमारी शारीरिक जरूरत से अधिक मानसिक होती है। बढ़ती उम्र के साथ हमारे खाने की मात्रा में कमी होनी चाहिए। हम जीने के लिये खाएं, न कि खाने के लिए जीएं। अब चाहे नये साल की पार्टी हो या कोई पर्व–त्योहार, हमें संयमित भोजन का ही उपयोग करना चाहिए। हल्का, सुपाच्य व कम भोजन जहां दवा है, वहीं गरिष्ठ व अधिक भोजन हानिकारक हो सकता है।

गिग वर्कर्स की हड़ताल

डॉ. दीपक पाचपोर

सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार शगिग वर्कर्सश, श्प्लेटफॉर्म वर्कर्सश और श्एग्रीगेटर्सश कंपनियों की परिभाषा दी गई है।

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुर्जुगों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है।यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप–बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफएटी के बैनर तले की गई। आईएफएटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक खत में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल–भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां श्10 मिनट डिलीवरीश का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मकसद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर–परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार शगिग वर्कर्सश, श्प्लेटफॉर्म वर्कर्सश और श्एग्रीगेटर्सश कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुर्माने आदि से पैसा आएगा।ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि वे श्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन ये हड़ताल कुछ और ही कहानी बयां करती है। असल में ये मोदी सरकार की नाकामी का एक और सबूत है। सरकार युवाओं को रोजगार के नाम पर पकौड़ा तलने और रील बनाने की सलाह देती है। जो लोग ये नहीं कर पा रहे, वो अब गिग वर्कर बनने पर मजबूर हैं। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है। उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं।शेख सलाउद्दीन कहते हैं, डिलीवरी करने वाले वर्कर्स की फीस को दिन ब दिन कम किया जा रहा है। प्रति ऑर्डर पहले 80 रुपये फिर 60 रुपये और अब 10 रुपये 20 रुपये, 15 रुपये तक दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनियां हमें धमकी दे रही हैं। वेयरहाउस के पास बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं और कर्मचारियों के आईडी ब्लॉक किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या इन कंपनियों को सरकार का बिलकुल खौफ नहीं है, जो वो डिलीवरी करने वाले कर्मियों के वेतन मनमाने तरीके से कम कर रही है, और उन्हें मजबूर कर रही है कि वो काम करें।

वर्ष की विदाई: अधूरेपन से संकल्प की ओर

जैसे–जैसे साल का अंतिम सूरज ढल रहा है, हवाओं में एक मिश्रित अहसास हैकृबीते कल की यादें और आने वाले कल की पदचाप। अक्सर हम इस बात पर दुखी होते हैं कि हमने जो वादे खुद से किए थे, वे पूरे नहीं हुए। पर सच तो यह है कि अधूरे वादे ही हमें और बेहतर करने की भूख देते हैं। वे हमें बताते हैं कि अभी बहुत कुछ करना शेष है, अभी शिखर पर पहुँचना बाकी है।

राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपने चरित्र और कर्म से देश का मस्तक ऊँचा करना है। ऋणी रहे क्यों हम मिट्टी के? अब कर्ज उतारना बाकी है, राष्ट्र ने दी जो जीवन–शक्ति, उसका मोल चुकाना बाकी है।ष

पौरुष और संघर्ष ही जीवन का वास्तविक श्रृंगार है। जब हम अपने अधूरे लक्ष्यों को देखते हैं, तो हमें डरना नहीं, बल्कि हुंकार भरनी चाहिए।

षविदाई की इस वेला में, मत कर मन को तू मलिन,
जो छूट गया वह स्वप्न था, जो सम्मुख है वह नवीन।
पथ के कांटे ही बताते हैं, मंज़िल का मोल बड़ा है,
जो गिरकर फिर संभल गया, वही तो वीर खड़ा है।
न रोक कदम तू बाधा देख, न वादों का कर शोक अभी,
पुरुषार्थ जगा अपने भीतर, है जीत तेरी ही लोक सभी।

दिनकर की रश्मि पुकार रही,
तू नूतन क्रांति का दूत बने,
अधूरेपन की भस्म से ही, कल का नव–अंकुर फूट पड़े।ष

सकारात्मक दृष्टिकोणरू अधूरापन एक सीढ़ी है–

हमें यह समझना होगा कि हर अधूरा वादा एक अनुभव है। यदि इस वर्ष आप अपनी सेहत को समय नहीं दे पाए, या किसी रचनात्मक कार्य को बीच में छोड़ दिया, तो उसे श्हारश न मानें। उसे श्कार्य प्रगति पर है ,श्रेणी में रखें।

वर्ष का अंत एक पूर्ण विराम नहीं, बल्कि अल्पविराम है। यह समय है अपनी ऊर्जा को संचित करने का, अपनी गलतियों से सीखने का और फिर से दुगने वेग के साथ प्रहार करने का।

हमारा नव–वर्ष संकल्प

अगले वर्ष के लिए केवल एक, किंतु शक्तिशाली संकल्प लेना ही पर्याप्त हैरू

संकल्परू ष्हम आने वाले वर्ष में श्अनुशासनश को अपना सारथी बनाएंगे। हम बीते वर्ष के उन सभी अधूरे वादों को अपनी प्राथमिकता की सूची में सबसे ऊपर रखेंगे और श्कलश पर टालने की प्रवृत्ति का त्याग कर, कर्म की शक्ति में विश्वास करेंगे ।ष

विदाई देते हुए इस वर्ष का आभार व्यक्त करें, क्योंकि इसने आपको लड़ना सिखाया। आने वाला वर्ष आपके लिए केवल नई तारीखें नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और नए अवसर लेकर आ रहा है। उठिए, और अपने अधूरे वादों को अपने संकल्प की मशाल से पूरा कीजिए स्वयं से सर्वस्व की ओर बढ़े,बीता हुआ वर्ष केवल उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि ईश्वर के आशीर्वाद का प्रतिफल रहा है। जब ईश्वर हमें सामर्थ्य देता है, तो वह हमें एक उत्तरदायित्व भी सौंपता हैकृसाझा करने का उत्तरदायित्व।

अक्सर हम अपनी सफलताओं को अपनी मेहनत का फल मानते हैं, पर वास्तव में वे ईश्वर की वह देन हैं ताकि हम दूसरों के काम आ सकें। जीवन की असली सुंदरता श्लेनेश में नहीं, बल्कि श्देनेश में निहित है।

ष्धन्य वही जो झुककर, निर्बल का हाथ थाम लेता है,
अपनी खुशियों का अंश, जो मानवता के नाम देता है।
महलों की चकाचौंध तो, केवल क्षणभंगुर माया है,
असली उजाला वह, जो झोपड़ी में दीप जलाया है।

प्रभु ने हमको दिया बहुत, अब बारी हमारी देने की, सार्थकता है औरों के, दुख–ताप को हर लेने की। मुस्कान खिले अधरों पर, बस यही पुण्य की थाती है, परहित में जो जलता है, वही अमर ज्योति कहलाती है।ष

हमने इस वर्ष बहुत कुछ अर्जित किया, लेकिन क्या हम अपने बड़ों को वह श्समयश दे पाए जिसके वे हकदार हैं? अगले वर्ष का सबसे बड़ा निवेश हमारे परिवार और बड़ों के साथ बिताए गए पल होने चाहिए। उनकी दुआएं ही हमारी ढाल बनती है स

समाज के उस वर्ग की ओर हाथ बढ़ाना जो अभाव में है, ईश्वर की सच्ची सेवा है। किसी भूखे को भोजन कराना या किसी गरीब की झोपड़ी में दीया जलाना, हजार तीर्थों के बराबर है।

हमारा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत उन्नति न होकर श्सामूहिक उत्थानश होना चाहिए। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने का कारण बनते हैं, तो ब्रह्मांड की सकारात्मक ऊर्जा स्वतः ही हमारी ओर खिंची चली आती है। ईश्वर ने हमें श्पात्रश बनाया है, अब हमें श्दाताश बनना है। यही जीवन की पूर्णता है।

– डॉ संगीता बनाफर प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद शैक्षिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –16)

लेखिका –अतिया नूर

जब – जब मैं उस घटना को याद करती हूं तो मेरी आंखें नम हो जाती हैं। समीर ने अपनी ज़िद के सबब उस दिन भी मार खाई और फूट –फूट कर रोने के बाद घर से बाहर चला गया।घर में अजीब सी उदासी, अजब सा सन्नाटा पसरा हुआ था। मुझे आज भी याद है उस दिन मूसलाधार बारिश हो रही थी। रह – रह कर बिजली की कड़क मेरे दिल में दहशत पैदा कर रही थी। दोपहर से रात होने को आई लेकिन समीर घर नहीं आया।हर बार जब भी बिजली चमकती, मैं समीर को याद कर परेशान हो जाती थी।मुझे महसूस हो रहा था कि – जैसे यह बिजली मेरे समीर को डरा रही है। पता नहीं मेरा समीर इस समय कहां होगा? कहीं खुली जगह तो नहीं बैठा।

घर में किसी ने भी ठीक से खाना नहीं खाया था। कॉलबेल बजी तो मुझे लगा कि समीर आ गया। मैंने दौड़कर दरवाज़ा खोला लेकिन वहां समीर नहीं बल्कि एक अंजान व्यक्ति को देख मैं डर सी गई। शेखर ने उससे उसका परिचय पूछा। उस अंजान व्यक्ति ने जो कहा उसे सुन मैं चकराकर गिरते – गिरते बची। उस व्यक्ति ने बताया कि उसने समीर को कॉलोनी के बाहर ग्राउंड के सन्नाटे में लेटे हुए देखा है। वह व्यक्ति बार – बार एक ही बात दोहरा रहा था कि – आप लोगों ने अपने बच्चे को क्यों इस तरह डांटा कि वह ज़मीन में पड़ा रो रहा है।

शेखर तो न जाने किस मिट्टी के हो गए थे, इतना सुनने के बाद भी उनका दिल नहीं पसीजा, वह चिल्लाते हुए कहने लगे कि– मर जाने दो उसे, अब इस घर में उसके लिए कोई जगह नहीं ...।

मगर मैं मां थी, शायद दुनिया की हर मां गीली मिट्टी की ही बनी होती है। बारिश थम चुकी थी, मैं बेतहाशा भागती हुई उस जगह पहुंची, जहां समीर भीगा हुआ ज़मीन पर पड़ा था। वह हिचक – हिचक कर रो रहा था और रोते – रोते कुछ बड़बड़ा भी रहा था। उसकी हालत देख कर मेरी आंखें भी बरसने लगीं, मैं उसे उठाने की कोशिश करने लगी लेकिन उठाने में असफल रही। मैं दौड़ कर दुबारा घर गई और शेखर से मिन्नतें करके उन्हें समीर के पास ले आई। मैं तो नहीं समझ पाई थी मगर शेखर समझ गए थे कि – समीर ने शराब पी रखी है। वह मुझे घूरते और नाराज़गी दिखाते रहे, फिर समीर को उठाकर किसी तरह घर लाए। बड़ी मुश्किलों से मैंने समीर के कपड़े बदले, उसे धो – पोंछ कर उसके बिस्तर पर सुला दिया। समीर के साथ सारा घर सो गया लेकिन मैं अपनी तक़दीर के लिखे पर रोती और जागती रही,नींद तो न जाने कब की मुझसे रूठ और बिछड़ चुकी थी....।

सुबह जागने पर समीर मुझसे लिपट गया और देर तक रोता और कहता रहा –आपने मुझे क्यों बचाया मम्मी, मैं तो चाह रहा था कि यह बिजली मेरे ऊपर गिर पड़े। उसकी बातें मुझे रुलाती रहीं, बस रुलाती रहीं...

दो – चार दिन के बाद जब मामला थोड़ा ठंडा पड़ा तो मैंने शेखर को समझाना शुरू किया कि – आप समीर पर थोड़ा ध्यान दें , उसे प्यार से समझाकर उसको उसके काम में लगा दें तो शायद समीर सुधर जाए, लेकिन शेखर तो फिर शेखर ही थे। जिन्होंने मेरी बातें कभी नहीं सुनी थीं, भला आज क्यों सुनते।

शेखर ने मेरी बात सुनी भी तो किस तरह, अब जो याद आती है तो मैं सिर्फ़ अपने हाथ मिलते रह जाती हूं। शेखर ने मेरी बात मानने और समीर की मदद करने से साफ़ इंकार कर दिया। हां, इतना ज़रूर किया कि समीर को पचास हज़ार रुपए देकर कहा कि जाओ – तुम्हें जो करना है करो! और वो भटका हुआ बच्चा रुपए लेकर दुनिया के उस बाज़ार में पहुंच गया जहां लूट के व्यापारी पहले से उसे लूटने के लिए घात लगाए बैठे थे।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

2026 शायद हमें भूत और भविष्य, दोनों की सैर कराएगा

एन. रघुरामन

हममें से किसी ने भी बॉलीवुड या हॉलीवुड की किसी फिल्म में शायद ऐसा नहीं देखा होगा कि किसी कैदी को ड्रोन के जरिए सेल से उठाकर बाहर निकाल लिया गया हो। हां, कुछ एक्शन मूवीज में जरूर ड्रोन्स को भाग निकलने या रेस्क्यू ऑपरेशन का अहम हिस्सा बताया गया है। 2026 में यह हकीकत बन सकता है। यूके के प्रिजन गवर्नर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष टॉम व्हीटली ने इसी हफ्ते चेतावनी दी है कि सच में जल्द ही ऐसा हो सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि 100 किलोग्राम तक वजन उठा सकने वाले कृषि कार्यों के लिए बने ड्रोन्स किसी इंसान का वजन उठा सकते हैं। इनके जरिए कैदी जेल से भाग सकते हैं।डीजेआई का एग्रास टी100 ड्रोन ट्रांसपोर्ट करने के लिए आसानी से तोड़ा जा सकता है, फिर दोबारा जोड़कर जल्दी चार्ज भी किया जा सकता है। व्हीटली के मुताबिक चूंकि बड़े गिरोहों के पास काफी पैसा होता है, इसलिए संगठित गिरोह 20 हजार पाउंड खर्च कर ऐसे ड्रोन ले सकते हैं।उन्होंने चेताया कि 'लॉजिस्टिक तौर पर यह खतरा अब सामने है।' वजह है कि जेलों में ड्रोन डिलीवरी तकनीकी तौर पर इतनी एडवांस हो गई है कि अब यह लगभग 'उबर ईट्सश जैसी ही है। जेल अधिकारी भी मानते हैं कि कैदी केन्द्रीकृत स्रोत पर ऑर्डर देता है और लोकल ड्रोन ऑपरेटर डिलीवरी कर देता है। 2024 और 2025 के आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में जेलों के आसपास ड्रोन दिखने और प्रतिबंधित सामान गिराने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ अब ड्रोन को जेलों की सुरक्षा के लिए प्राथमिक खतरा मान रहे हैं। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में ड्रोन से जुड़ी 1,712 घटनाएं दर्ज हुईं। यह पिछले साल के मुकाबले 43ः ज्यादा और 2021 से करीब 1000ः की भारी बढ़ोतरी है। अमेरिका में भी 479 ड्रोन घटनाएं दर्ज की गईं। जेल अधिकारियों का कहना है कि 'जेलों में ड्रोन डिलीवरी का पूरा इकोसिस्टम बेहद एडवांस्ड है, जो यूके में कमर्शियल ड्रोन गतिविधियों से कहीं आगे निकल चुका है।' जब तकनीक हमें आगे ले जाने और ऐसा कुछ दिखाने की कोशिश कर रही है, जो आज मौजूद ही नहीं है– उसी वक्त फूड इन्फ्लुएंसर्स हमें जानबूझकर 150 साल पीछे ले जाकर दिखा रहे हैं कि उस दौर के प्रभावशाली लोग क्या खाते थे। उन्हें क्या पसंद था, वो डिशेज कैसे बनती थीं और आज हम कैसे उनका स्वाद ले सकते हैं। वे इन डिशेज को सिर्फ हेल्दी ही नहीं, बल्कि संजोने लायक इतिहास बता रहे हैं। डॉनी डॉडसन ऐसे ही लोगों में से एक हैं, जिन्होंने करीब 18 महीने पहले 1776 की डिश 'होकेक्स' बनाना शुरू किया। यह शहद और मक्खन में लिपटा कॉर्नमील पैनकेक होता है।

मां की दूसरी शादी पर फरहाना भट्ट ने किया खुलासा, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ बयान

बिग बॉस 19 खत्म हुए लगभग एक महीना हो चुका है, लेकिन शो की रनरअप फरहाना भट्ट अभी भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो से बाहर आने के बाद फरहाना लगातार इंटरव्यू दे रही हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे कर रही हैं। अपने बेबाक और साफ–सुथरे अंदाज के लिए जानी जाने वाली फरहाना हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं, चाहे वह उनकी प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल। फरहाना भट्ट बिग बॉस 19 की रनरअप रही थीं। आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष किया है। शो के दौरान भी उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई भावुक किस्से साझा किए थे, जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। बिग बॉस के घर में फरहाना ने बताया था कि जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके पिता ने उनकी मां को तलाक दे दिया था। इसके बाद फरहाना का अपने पिता से कभी कोई संपर्क नहीं रहा और उनकी परवरिश पूरी तरह से मां ने ही की। हाल ही में फिल्मी विंडो को दिए एक इंटरव्यू में फरहाना ने अपनी मां के तलाक और दूसरी शादी को लेकर खुलकर बात की। फरहाना ने बताया कि जब वह बड़ी हुईं और समझदार हुईं, तब उन्होंने एक–दो बार अपनी मां से कहा था कि उन्हें दोबारा शादी कर लेनी चाहिए। हालांकि, उनकी मां ने इस बात से साफ इनकार कर दिया। फरहाना ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा था कि वह अब एक सुकून भरी जिंदगी जीना चाहती हैं। मां ने उनसे कहा, "तुम मुझे फिर उसी अंधेरे में क्यों धकेलना चाहती हो, जिससे मैं बहुत मुश्किल से बाहर निकली हूं।" फरहाना के मुताबिक, तलाक के बाद उनकी मां का शादी और रिश्तों से भरोसा पूरी तरह उठ चुका है। वह किसी नए रिश्ते में बंधने से डरती हैं और अकेले, लेकिन सुकून के साथ जिंदगी जीना पसंद करती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि पिछले 10–12 सालों से उन्होंने अपनी मां से शादी को लेकर कोई बात नहीं की है। इसकी वजह बताते हुए फरहाना ने कहा कि उन्हें डर था कि कहीं उनकी मां को यह न लगे कि वह उनसे पीछा छुड़ाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मां के मन में गलतफहमियां या नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं, इसलिए उन्होंने इस विषय को खुद ही छोड़ दिया। फरहाना का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी सोच और मां के प्रति उनके सम्मान की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

> फरहाना भट्ट बिग बॉस १९ की रनरअप रही थीं। आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष किया है। शो के दौरान भी उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई भावुक किस्से साझा किए थे, जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। बिग बॉस के घर में फरहाना ने बताया था कि जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके पिता ने उनकी मां को तलाक दे दिया था।

नए साल 2026 में अनुपम खेर ने लिया नया संकल्प, कहा–खुद का बोझ हल्का रखने की कोशिश करूंगा

नए साल 2026 की शुरुआत हो चुकी हैं। ऐसे में रात 12 बजे से ही पूरी दुनिया न्यू ईयर सेलिब्रेशन में डूबी नजर आ रही है। कोई अपनी फैमिली संग नाच–गाकर नए साल का जश्न मना रहा है तो कोई भगवान के दरबार जाकर खुशियां मांग रहा है। ऐसे में बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने नए साल पर नया संकल्प लिया है। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इस साल क्या करने वाले हैं। अनुपम खेर ने अपने श्एक्सश हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने गरीबों की मदद से लेकर दुनिया के बोझ को अपने कंधों पर न उठाने का संकल्प लिया है। वीडियो में वे कहते हैं, जिंदगी के हर गुजरते साल में कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है और मैंने साल 2025 से जो सीखा है और साल 2026 में जो चीजें लागू करूंगा, वो ये छोटी–छोटी चीजें हैं। हर गुजरा हुआ साल कुछ न कुछ सीखा कर जाता है। और जो सीख हमें मिलती है! अगर हम उसे नये साल में लागू करें तो अच्छा होगा भी और शायद लगेगा भी। तो मैंने जो 2025 में सीखा, इसे मैं 2026 मैं अपनी जिंदगी में लागू करना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं खुद का बोझ हल्का रखने की कोशिश करूंगा। गरीबों की मदद करने, सब्जी या फेरी वाले से मोल भाव न करने की बात कही और कहा कि ज्यादा पैसे देने से कुछ नहीं होगा, शायद उन्हें अपने बच्चों की फीस भरने में मदद मिल सकती है। इसके सात ही एक्टर ने गलत लोगों के सुधारने की जिम्मेदारी खुद पर न लेने की बात की है। वीडियो के कैप्शन में एक्टर ने लिखा, ष्हर गुजरा हुआ साल कुछ न कुछ सीखा कर जाता है और जो सीख हमें मिलती है, अगर हम उसे नए साल में लागू करें तो अच्छा होगा भी और शायद लगेगा भी। तो मैंने जो 2025 में सीखा, इसे मैं 2026 में अपनी जिंदगी में लागू करना चाहूंगा। आगे उन्होंने लिखा, इनमें से कुछ बातें शायद आपको भी महसूस हों और आपके काम भी आएं। आप सबको नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु आपके जीवन को सुखमय एवं शांतिपूर्वक रखें। आप अपने लिए, अपने परिवार के लिए, समाज के लिए और देश के लिए अच्छा सोचें और अच्छा करें। अनुपम खेर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है और फैंस उनके इस पोस्ट पर कमेंट कर सहमति जताते भी नजर आ रहे हैं।

न्यू ईयर 2026 पर ईशा देओल को सताई अपने पापा की याद, खास पोस्ट किया शेयर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने न्यू ईयर 2026 के मौके पर अपने दिवंगत पिता और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर की है। ईशा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस पोस्ट पर उनके भाई बॉबी देओल ने भी रिएक्ट किया, जिससे यह पल और भी खास बन गया। ईशा देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह आसमान की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं और बैकग्राउंड में चांद भी दिखाई दे रहा है। एक तस्वीर पर ईशा ने लिखा, 'लव यू पापा३', जिसने फैंस को भावुक कर दिया। इसके साथ ही पोस्ट के कैप्शन में ईशा ने लिखा, खुश, धन्य और मजबूत रहो। आप सभी को बहुत–बहुत प्यार। तस्वीरों में ईशा ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं और उन्होंने सिर पर हैपी न्यू ईयर लिखा हुआ क्राउन पहना हुआ है। जैसे ही ईशा ने यह पोस्ट शेयर की, उनके भाई और धर्मेंद्र के छोटे बेटे बॉबी देओल ने कमेंट बॉक्स में हार्ट इमोजी शेयर कर अपना प्यार और समर्थन जताया। गौरतलब है कि न्यू ईयर 2026 के मौके पर 1 जनवरी को धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह था और सोशल मीडिया पर इसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म 'इक्कीस' में धर्मेंद्र के साथ अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया और जयदीप अहलावत अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। बता दें कि साल 2025 में बॉलीवुड ने धर्मेंद्र जैसे सुपरस्टार को खो दिया था। 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में अभिनेता का निधन हो गया था, जिसके बाद पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई थी।

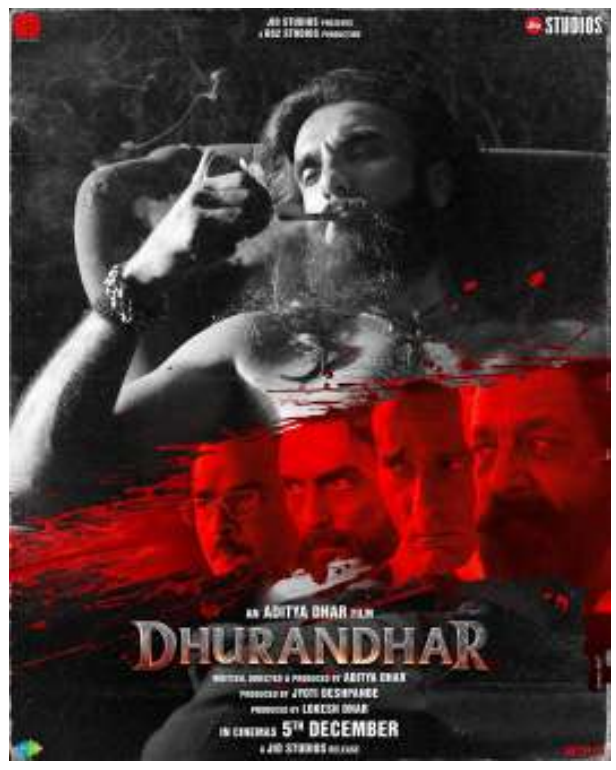

रणवीर सिंह की धुरंधर फिल्म लद्दाख में टैक्स–फ्री घोषित

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर को रिलीज़ से पहले ही एक बड़ा फायदा मिला है। फिल्म को लद्दाख में आधिकारिक तौर पर टैक्स–फ्री घोषित कर दिया गया है, इस कदम ने सबका ध्यान खींचा है और प्रोजेक्ट के बारे में बढ़ते क्रेज़ को और बढ़ा दिया है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित जासूसी एक्शन फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट साबित हुई है। फिल्म ने 2025 के अंत और 2026 की शुरुआत में कई रिकॉर्ड तोड़े और दुनिया भर में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। उपराज्यपाल कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने फिल्म धुरंधर को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कर–मुक्त घोषित कर दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लद्दाख में हुई। उन्होंने कहा, यह फिल्म लद्दाख के सिनेमाई परिदृश्यों पर प्रकाश डालती है, जो फिल्म निर्माताओं के लिए मजबूत समर्थन का संकेत देती है और फिल्म शूटिंग व पर्यटन के लिए लद्दाख को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरने में मदद करती है। गुप्ता ने बताया कि प्रशासन एक नयी फिल्म नीति पर काम कर रहा है और लद्दाख में फिल्म निर्माण को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगा। दिसंबर की शुरुआत में रिलीज हुई यह फिल्म जेम्स कैमरून की अवतारः फायर एंड ऐश और रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी जैसी फिल्मों से प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी मजबूती बरकरार रखे हुए है।

करीना कपूर ने नई पॉजिटिविटी के साथ 2026 में रखा कदम, 2025 को बताया मुश्किल साल, कहा–हम बहुत रोए

नए साल 2026 की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक सोशल मीडिया पर पुराने साल के अपने एक्सपीरियंस के साथ नए साल में एक नई उर्जा और नए जुनून के साथ एंट्री करने की बात करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि साल 2025 उनकी पूरी फैमिली के लिए बेहद मुश्किल रहा। इसके साथ ही उन्होंने 2026 में नई पॉजिटिविटी के साथ कदम रखने की बात की। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पति सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर करते लिए कैप्शन में लिखा–जैसे ही हम बैठकर इस बात पर सोचते हैं कि हम साल के आखिरी दिन तक पहुंच गए हैं। हम इतनी दूर तक आ गए हैं। 2025 हमारे, हमारे बच्चों और हमारे परिवारों के लिए एक मुश्किल साल रहा है, लेकिन हम सिर ऊंचा करके, हंसते हुए और हिम्मत बनाए रखकर इससे गुजरे। आगे उन्होंने लिखा, हम बहुत रोए, हमने प्रार्थना की और अब हम यहां हैं। 2025 ने हमें सिखाया कि इंसान का स्वभाव निडर होता है, प्यार सब पर जीत हासिल करता है और बच्चे हमारी सोच से ज्यादा बहादुर होते हैं। हम अपने फैंस, अपने दोस्तों और उन सभी को धन्यवाद करना चाहते हैं, जो हमारे साथ रहे और हमारा साथ देते रहे और उनसे ऊपर भगवान को। हम 2026 में अपने अंदर एक नई आग, बहुत ज्यादा आभार और पॉजिटिविटी और जो हम सबसे अच्छा करते हैं, उसके लिए कभी न खत्म होने वाले जुनून के साथ कदम रख रहे हैं.. फिल्में...जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, चढ़दी कला। सभी को नया साल मुबारक हो। बता दें, साल 2025 में करीना कपूर के लिए जो सबसे डरावनी चीज थी, वो थी उनके पति सैफ अली खान पर उनके घर में जो हमला हुआ था। चोरों ने एक्टर ने तेजधार हथियार से हमला किया था, जिसके कारण वह 10 दिनों तक अस्पताल में एडमिट रहे थे और फिर धीरे–धीरे इस जख्म से रिकवर हुए थे।

सर्दी में स्किन की झाइयों से परेशान? कोकोनट मिल्क में मिलाएं ये एक चीज, पाएं instant glow!

सर्दी में त्वचा की समस्याओं, खास तौर पर चेहरे की झाइयों को कम करने के लिए कोकोनट मिल्क और हल्दी का घरेलू उपाय कारगर है। यह मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट कर मुलायम बनाता है और महंगे उत्पादों का विकल्प प्रदान करता है।

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा हमारी स्किन प्रभावित होती है। इस मौसम में अधिकतर महिलाओं को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि आपको भी सर्दियों के दौरान स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम को होती है, तो अब आपको महंगे प्रोडक्ट लेने की जरुरत नहीं है। इस लेख में हम आपको घरेलू उपाय बताएंगे, जिन्हें ट्राई करके स्किन संबंधित परेशानियां कम हो जाएगी।

चेहरे के लिए ऐसे करें कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल

यदि आप अपनी स्किन को सर्दियों में मुलायम और खूबसूरत बनाना चाहती हैं और सर्दियों में होने वाली परेशानियां को कम कर सकती हैं, तो अब आप घर में रहकर कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। विंटर में कोकोनट मिल्क स्किन के लिए सबसे बेहतरीन उपाय है, तो आप घर में बैठकर कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। कोकोनट मिल्क स्किन को हाइड्रेट रखता है और त्वचा को सॉफ्ट बनाता है।

कोकोनट मिल्क और हल्दी का करें इस्तेमाल

इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप हल्दी की गांठ को पत्थर से घिसकर इसका रस निकाल लें। हल्दी की गांठ से निकला हुआ रस और कोकोनट मिल्क दोनों को अच्छी तरह मिला लें और इस मिश्रण को अपने चेहरे पर कम से कम 20 से 25 मिनट तक लगाकर रखें। थोड़ी देर के बाद आप अपना चेहरा साफ पानी से धो सकती हैं।

इन बातों रखें ध्यान

यह उपाय करने से आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी और साथ ही त्वचा पर हो रही परेशनियां भी कम होगी। इस मिश्रण का आप अपने चेहरे पर कम से कम एक हफ्ते में दो से तीन बार इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन को काफी फायदा देखने को मिलेगा। यदि आप पहली बार इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले पैच टेस्ट जरुर करें। इसके बाद ही इसका प्रयोग करें।

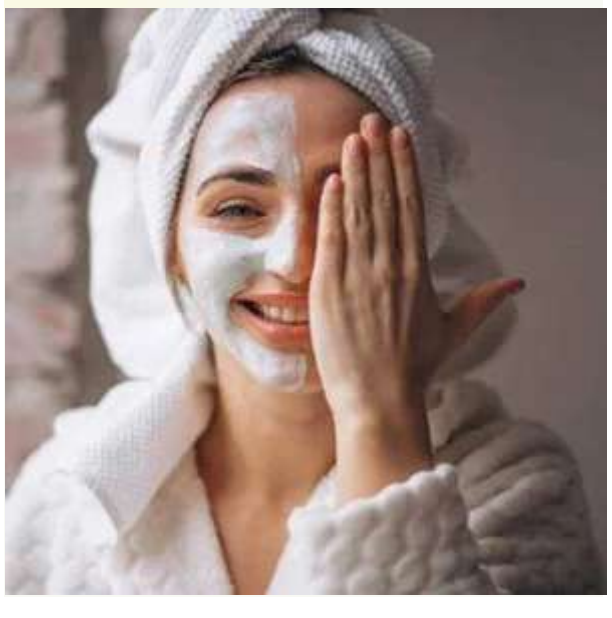

बदलते मौसम में बच्चों में बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा, जानें कैसे करें बचाव

बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर बच्चों की सेहत पर पड़ता है। खासकर जब गर्मी से सर्दी या अचानक मौसम बदलता है, तब बच्चों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम अभी पूरी तरह से मजबूत नहीं होता, इसलिए वायरस, बैक्टीरिया और एलर्जी से वे जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। इस दौरान सर्दी–जुकाम, फ्लू, वायरल बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस से जुड़ी परेशानियां आम हो जाती हैं। बदलते मौसम में ये इंफेक्शन सबसे ज्यादा फैलते हैं और माता–पिता को समय रहते सावधान रहना चाहिए।

बच्चों में आम इंफेक्शन

सर्दी–जुकाम

खांसी और गले में खराश

फ्लू और वायरल बुखार

एलर्जी

सांस संबंधी परेशानियां

बच्चों की देखभाल कैसे करें

बच्चों को सर्दी में राहत दिलाएंगे ये असरदार टिप्स, अब नहीं होगा नाक बंद

इम्यूनिटी बढ़ाएं

बच्चों को मजबूत बनाने के लिए उनके आहार का विशेष ध्यान रखना बहुत जरूरी है। संतुलित आहार में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें, अनाज और पर्याप्त प्रोटीन शामिल करें। प्रोटीन मांस, अंडे, दही या पनीर के रूप में भी दिया जा सकता है। इसके अलावा विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीजें जैसे नारंगी, सेब, गाजर, पालक आदि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। अगर बच्चों को सही पोषण मिलता है तो उनका शरीर वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में ज्यादा सक्षम होता है।

हाइड्रेशन

बच्चों को दिनभर पर्याप्त पानी पिलाना बहुत जरूरी है। पानी से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और शरीर के अंग सही तरीके से काम करते हैं। इसके अलावा जूस, दूध और सूप जैसी चीजें भी हाइड्रेशन में मदद करती हैं। ठंडे या गर्म मौसम में बच्चे अक्सर पानी कम पीते हैं, इसलिए उन्हें समय–समय पर पानी पिलाना चाहिए। हाइड्रेटेड रहने से बच्चों की त्वचा, पाचन और इम्यूनिटी भी मजबूत रहती है।

व्यायाम और खेल–कूद

रोजाना खेल–कूद और हल्का व्यायाम बच्चों की सेहत और इम्यूनिटी के लिए बहुत जरूरी है। यह उनकी मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाता है और शरीर में खून का प्रवाह बढ़ाता है। बच्चे जब खेलते हैं तो उनका दिमाग भी सक्रिय रहता है और वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं। सुबह या शाम को खुली हवा में खेलने से बच्चों में ऊर्जा बढ़ती है और उन्हें बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

नींद का ध्यान रखें

बच्चों को पर्याप्त नींद लेने देना बहुत जरूरी है। नींद पूरी होने पर उनका शरीर खुद को ठीक करता है और संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। छोटे बच्चों को 9–12 घंटे और बड़े बच्चों को 8–10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। सोने का नियमित समय बनाने से उनकी दिनचर्या सही रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं।

मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं

मौसम के बदलाव में सही कपड़े पहनाना बच्चों की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अचानक ठंड या गर्मी में बाहर जाने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। सर्दी में बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएँ, और गर्मियों में हल्के और आरामदायक कपड़े दें। बारिश या धूल भरे मौसम में उन्हें सुरक्षित रखने के लिए जैकेट या मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

साफ–सफाई

साफ–सफाई बच्चों को बीमारियों से बचाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है। बच्चों को धूल, धुआं और प्रदूषण से दूर रखें। घर और कमरे को साफ, हवादार और कीटाणुरहित रखें। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें, खासकर खाना खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। इससे वायरस और बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा काफी कम हो जाता है।

वैक्सीनेशन और डॉक्टर से सलाह

बच्चों का समय पर वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। वैक्सीन शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है। अगर बच्चे में किसी भी तरह के शुरुआती लक्षण दिखें, जैसे बुखार, खांसी या गले में खराश, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। समय रहते इलाज और देखभाल करने से संक्रमण बढ़ने से बचता है और बच्चे जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं।

आराम और सक्रिय दिनचर्या

बच्चों को पर्याप्त आराम और सक्रिय दिनचर्या देना बहुत जरूरी है। दिनभर एक्टिव रहने से उनका शरीर मजबूत रहता है और नींद अच्छी आती है। इसके अलावा खेल–कूद, पढ़ाई और आराम का संतुलन बनाए रखना बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है। बच्चों को टीवी या मोबाइल पर ज्यादा समय न बिताने दें और उन्हें खेलों और बाहरी गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। बदलते मौसम में इन सावधानियों का पालन करने से बच्चे इंफेक्शन से सुरक्षित रह सकते हैं और स्वस्थ रहकर हर मौसम का मजा ले सकते हैं।

आंखों के ये बदलाव बताते हैं इन 7 बीमारियों के संकेत

आंखें सिर्फ हमें बाहरी दुनिया दिखाने का काम नहीं करतीं, बल्कि ये हमारे शरीर के अंदर चल रही सेहत की स्थिति का भी संकेत देती हैं। कई बार शरीर में मौजूद गंभीर बीमारियों के शुरुआती लक्षण आंखों में साफ नजर आने लगते हैं। आंखों से पानी आना, सूजन, दर्द, खुजली, जरूरत से ज्यादा कीचड़ जमना या धुंधला दिखना। ये सभी किसी न किसी स्वास्थ्य समस्या के वॉर्निंग साइन हो सकते हैं। ऐसे में समय रहते इन संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं आंखों में दिखने वाले 7 ऐसे लक्षण, जो गंभीर बीमारियों की ओर इशारा करते हैं।

धुंधला नजर आना

अगर बार–बार धुंधला दिखने लगे तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है। लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से आंखों की छोटी रक्त नलिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या हो सकती है और धीरे–धीरे नजर कमजोर होने लगती है।

आंखों में ज्यादा कीचड़ आना

सुबह उठने पर हल्का कीचड़ सामान्य है, लेकिन अगर दिनभर आंखों में बार–बार और ज्यादा कीचड़ जम रहा है तो यह कंजंक्टिवाइटिस , एलर्जी या बैक्टीरियल संक्रमण का संकेत हो सकता है।

आंखों में पीलापन

आंखों का पीला पड़ना अक्सर लिवर से जुड़ी बीमारी की ओर इशारा करता है। जब लिवर बिलिरुबिन को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाता, तो यह खून में बढ़ जाता है और आंखों में पीलापन दिखाई देने लगता है। यह हेपेटाइटिस, ज्यादा शराब पीने या संक्रमण के कारण भी हो सकता है।

कोर्निया के चारों ओर सफेद या भूरे रंग का घेरा

अगर आंखों के काले हिस्से (कोर्निया) के चारों ओर सफेद या भूरे रंग की रिंग नजर आए, तो यह आंखों में फैट जमा होने का संकेत हो सकता है। 40 साल की उम्र के बाद यह सामान्य है, लेकिन कम उम्र में ऐसा दिखना हाई कोलेस्ट्रॉल का लक्षण हो सकता है।

आंखों में सूजन या पानी आना

आंखों में सूजन होने के पीछे एलर्जी, कंजंक्टिवाइटिस, साइनस, नींद की कमी, ज्यादा रोना, थायराइड या किडनी से जुड़ी समस्या हो सकती है। वहीं लगातार आंखों से पानी आना वायरल इंफेक्शन, एलर्जी या आंसू नलिका के ब्लॉक होने की वजह से होता है।

आंखों में खुजली होना

आंखों में खुजली अक्सर एलर्जी, ड्राई आई सिंड्रोम, कंजंक्टिवाइटिस, ब्लेफेराइटिस या आंख में बाल चले जाने की वजह से होती है। लंबे समय तक कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से भी जलन और खुजली की समस्या हो सकती है।

आंखों में दर्द होना

आंखों में दर्द की वजह आंखों का सूखना, एलर्जी, संक्रमण, साइनस, सिरदर्द या माइग्रेन हो सकता है। इसके अलावा मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल भी आंखों में दर्द पैदा करता है। कुछ मामलों में ग्लूकोमा, आइरिटिस या ऑप्टिक न्यूरिटिस जैसी गंभीर बीमारियां भी इसका कारण बन सकती हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर आंखों में ऊपर बताए गए लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ते जाएं, तो तुरंत डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। समय रहते वॉर्निंग साइन पहचान लेने से बड़ी बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

संक्षिप्त

चाय बागान मालिक मजदूरों को जमीन देने से इनकार करेंगे तो उनकी सहायता रद्द की जा सकती है : असम सीएम

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को चाय बागान मालिकों को चेतावनी दी कि अगर वे अपने मजदूरों को जमीन का अधिकार देने से इनकार करते हैं, तो सरकार उनकी मिलने वाली सहायता वापस ले सकती है। मुख्यमंत्री ने नतुन दिनेर आलाप कार्यक्रम में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि सरकार ने नवंबर के विधानसभा शीतकालीन सत्र में चाय बागानों के मजदूरों को घर और जमीन का मालिकाना हक देने के लिए कानून बनाया था। शर्मा ने कहा, "चाय बागान मालिकों की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं है। जो लोग इस मामले में सरकार के साथ सहयोग नहीं करेंगे, उनकी सहायता वापस ले ली जाएगी।" उन्होंने बताया कि सरकार हर साल बागानों को करीब 150 करोड़ रुपये देती है और अगर मालिक अदालत जाने या रास्ते में अड़चन डालने की कोशिश करेंगे तो सरकार इस पर फिर से विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, "चाय उद्योग के 200 साल बाद अब मजदूरों का अधिकार है कि उन्हें अपनी जमीन का पूरा मालिकाना हक मिले।" उन्होंने दावा किया कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मजदूरों को उनका हक मिलेगा। शर्मा ने कहा कि 'असम फिक्सेशन ऑफ सीलिंग ऑफ लैंड होल्डिंग्स (संशोधन) कानून, 2025' का उद्देश्य अन्याय को सुधारना है। यह कानून उन मजदूरों को जमीन का अधिकार देने के लिए बनाया गया है, जो पिछले 200 सालों से चाय बागानों में काम कर रहे हैं। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने इस फैसले पर संदेह जताया और सवाल उठाया कि चुनाव से सिर्फ चार महीने पहले यह कानून क्यों लाया गया।

ब्वंस प्दकपं का उत्पादन दिसंबर में 4.6 प्रतिशत बढ़ा

कोल इंडिया का उत्पादन दिसंबर में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि आपूर्ति में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई। खनन कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि उसने अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर दिसंबर 2025 में 7.57 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो वर्ष 2024 के इसी महीने के 7.24 करोड़ टन से अधिक है। हालांकि, इस

महीने में उठाव यानी आपूर्ति 6.49 करोड़ टन थी, जो दिसंबर 2024 के 6.85 करोड़ टन से कम है। वित्त वर्ष 2025–26 (अप्रैल–दिसंबर) में कोल इंडिया का कुल उत्पादन 2.6 प्रतिशत घटकर 52.92 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्तवर्ष 2024–25 के नौ महीने में 54.34 करोड़ टन था। इस दौरान उठाव भी अप्रैल–दिसंबर 2024–25 के 55.7 करोड़ टन से 2.2 प्रतिशत घटकर 54.47 करोड़ टन रहा।

छोटी कारों की कीमतें बढ़ाने पर जल्द फैसला करेगी : Maruti Suzuki

अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया अपनी छोटी कारों की कीमतें बढ़ाने की संभावना पर जल्द ही कोई फैसला करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मारुति ने सितंबर में छोटी कारों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती के बाद अपने स्तर पर भी इन वाहनों की कीमतों में कटौती की थी। इसकी वजह से पिछले कुछ महीनों में कंपनी की छोटी कारों की बिक्री बढ़ी है। कंपनी ने 'एस–प्रेसो' मॉडल की कीमतों में 1,29,600 रुपये तक, ऑल्टो के10 मॉडल की कीमतों में 1,07,600 रुपये तक, सेलेरियो मॉडल की कीमतों में 94,100 रुपये तक और वैगन–आर मॉडल की कीमतों में 79,600 रुपये तक की कटौती की थी। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, ''छोटी कारों के रणनीतिक मूल्य निर्धारण के पीछे हमारा मकसद अधिक लोगों तक कारों की पहुंच बढ़ाना था।'' बनर्जी ने अन्य कंपनियों की तरह मारुति के भी दाम बढ़ाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''हम बहुत जल्द फैसला लेंगे कि हम सिर्फ जीएसटी कीमतों में कटौती वाले स्तर पर वापस जा रहे हैं या हम रणनीतिक मूल्य निर्धारण को जारी रखेंगे?'' बनर्जी ने कहा कि मुद्दा उन ग्राहकों को सेवा देने का है जिन्होंने अपनी गाड़ियां बुक कर ली हैं और उन्हें अभी तक अपने कार की आपूर्ति नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा, बुकिंग कर चुके ग्राहकों को हम संभवतः अगले 15–20 दिनों तक सेवा देना जारी रखेंगे। फिलहाल हमारी यही सोच है लेकिन बहुत जल्द हम इस बारे में घोषणा करेंगे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबारी में तेजी

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार शुरुआती कारोबारी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 158.19 अंक चढ़कर 85,346.79 अंक पर और एनएसई निफ्टी 55.8 अंक की बढ़त के साथ 26,202.35 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एशियन पेंट्स, मारुति, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहे। वहीं आईटीसी, टाइटन कंपनी, एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग फायदे में रहे।

हार्दिक–बुमराह को आराम, गिल संभालेंगे कमान! न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कैसी होगी भारत की वनडे टीम ?

मुंबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान तीन या चार जनवरी को होने की संभावना है। इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी नजर आएंगे, जबकि वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है।

कप्तान शुभमन गिल की वापसी लगभग तय

चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे पर वनडे नहीं खेल पाने वाले कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड सीरीज में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे, लेकिन इसके बाद टी20 में सफल वापसी कर चुके हैं। ऐसे में गिल के एक बार फिर वनडे टीम की कप्तानी संभालने की पूरी संभावना है।

श्रेयस अय्यर की फिटनेस बनी चिंता

वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर फिलहाल फिट नहीं हैं। सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कंधे में चोट लगने के बाद से वे क्रिकेट से दूर हैं और बंगलूरू स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, जिससे न्यूजीलैंड सीरीज से उनका बाहर रहना लगभग तय माना जा रहा है।

हार्दिक और बुमराह को मिल सकता है ब्रेक

लगातार क्रिकेट और इंजरी इतिहास को देखते हुए ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। दोनों खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप की योजना का अहम हिस्सा हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टॉप ऑर्डर और बैकअप ओपनर की तस्वीर

शुभमन गिल की वापसी के साथ शीर्ष तीन लगभग तय माने जा रहे हैं। ऐसे में रोहित शर्मा के साथ पिछली सीरीज में ओपनिंग करने वाले यशस्वी जायसवाल की जगह पर खतरा मंडरा रहा है। अगर चयनकर्ता यशस्वी को नहीं चुनते हैं तो विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता है, जो ओपनिंग के साथ–साथ मिडिल ऑर्डर और विकेटकीपिंग का बैकअप विकल्प भी हैं। ईशान को हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टी20 टीम में दोबारा चुना गया था, जहां उन्होंने झारखंड को ऐतिहासिक खिताबी जीत दिलाते हुए कप्तानी की थी।

नंबर–चार की पोजिशन पर किसे मिलेगा मौका?

विराट कोहली का तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना भी तय है। श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में नंबर–चार की जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ को मिल सकती है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इसी पोजिशन पर शतक जड़ा था। केएल राहुल एक बार फिर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

पंत अंदर या बाहर? उनकी जगह कौन लेगा?

ऋषभ पंत टीम में अपनी जगह बरकरार रख पाएंगे या नहीं, इसे लेकर बहस तेज है। विकेटकीपर–बल्लेबाज पंत ने जुलाई 2024 में श्रीलंका दौरे के बाद से एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। चार मैचों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है और कुल 121 रन बनाए हैं, जो 30.25 की औसत से आए हैं। इसके अलावा, चयनकर्ताओं की नजर संजू सैमसन पर भी हो सकती है, जो लंबे समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी जगह के लिए दावेदारी पेश करते रहे हैं।

ऑलराउंडर्स और स्पिन डिपार्टमेंट

हार्दिक की अनुपस्थिति में नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिल सकता है। स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर टीम का हिस्सा होंगे। कुलदीप यादव स्पिन आक्रमण की अगुवाई कर सकते हैं।

तेज गेंदबाजी में क्या होगी बदलाव?

मोहम्मद सिराज की वनडे टीम में वापसी की संभावना भी दिख रही है है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद वे प्रसिद्ध कृष्णा या अर्शदीप सिंह की जगह ले सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। हर्षित राणा का स्क्वॉड में होना तय है।

मोहम्मद शमी पर नजरें टिकीं

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। चौंपियंस ट्रॉफी के बाद उनकी संभावित वापसी को लेकर काफी चर्चा है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चयन समिति समय को पीछे मोड़ने के लिए तैयार है? 35 वर्षीय शमी ने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में चार मैचों में आठ विकेट चटकाए हैं और वह टीम के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं, खासकर तब जब जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को न्यूजीलैंड दौरे की वनडे सीरीज के लिए आराम दिभारत का संभावित वनडे स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत / संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज / प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह / मोहम्मद शमी।

विश्वकप टीम से ड्रॉप हुए गिल तो भड़के युवराज के पिता योगराज, कपिल देव को भी घसीटा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने शुभमन गिल के टी20 विश्व कप स्क्वॉड से बाहर होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि चयनकर्ता अपने उपकप्तान का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं। इस दौरान योगराज ने पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव का भी जिक्र किया।

रवि बिष्ट के यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, श्शुभमन गिल उपकप्तान हैं। क्या वजह है उन्हें टीम से बाहर करने की? क्या 4–5 पारियों में उनका बल्ला नहीं चला तो उन्हें ड्रॉप कर दिया गया? भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 100 मौकों में से सिर्फ 10 बार ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन तब भी वो खेले। आपको पहले से ही बता है क्या वजह रही होगी। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा कुछ साल पहले आया। अगर वो चार पारियों में नहीं चला तो क्या आप उसे भी ड्रॉप कर देंगे? इस दौरान योगराज ने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का भी जिक्र किया।

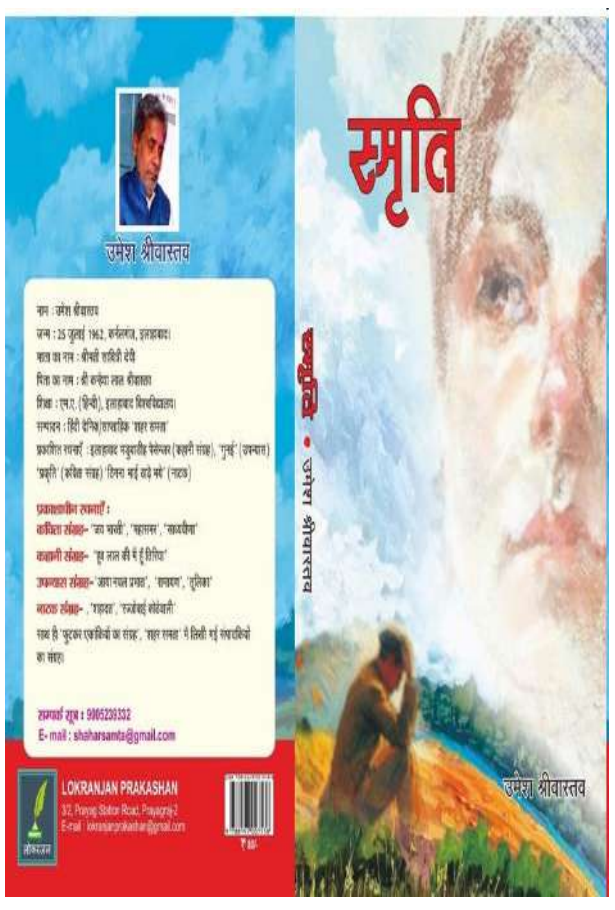

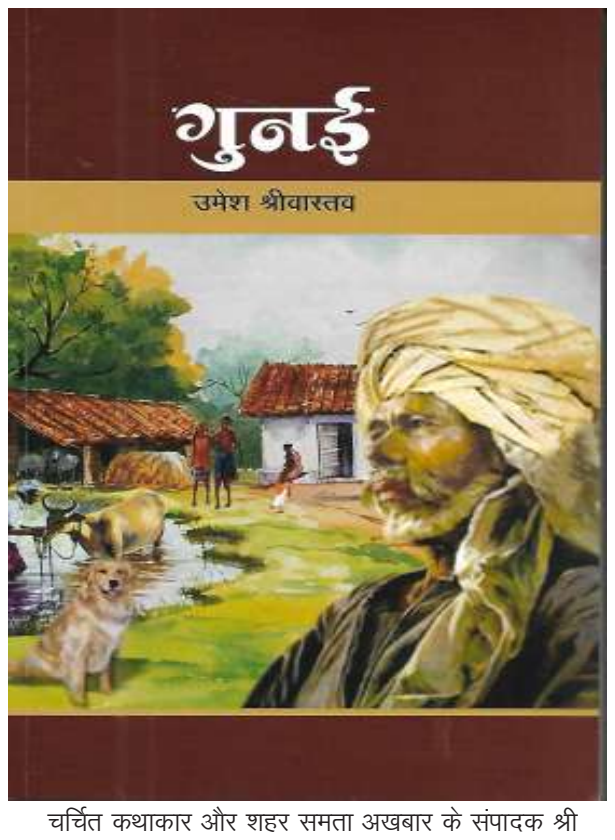

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

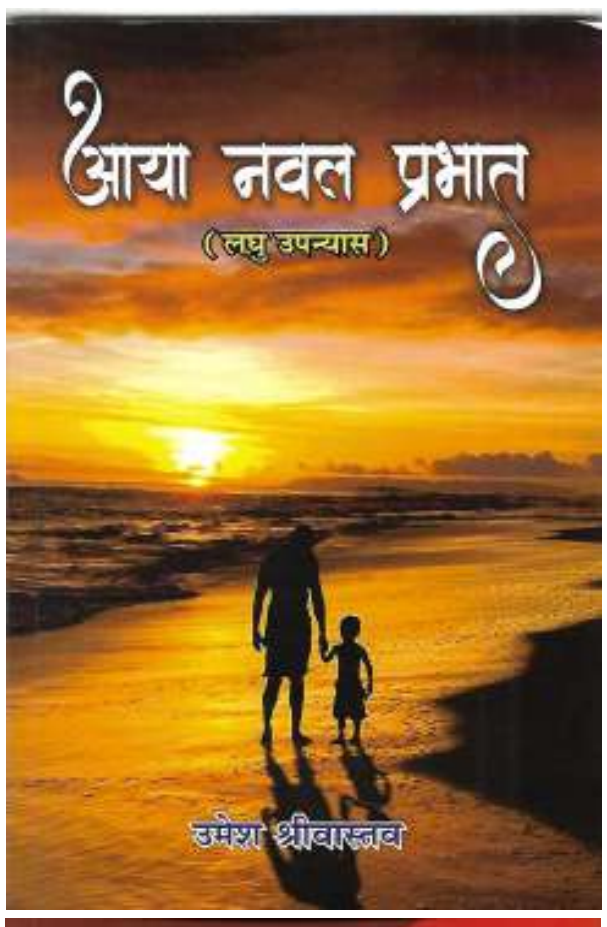

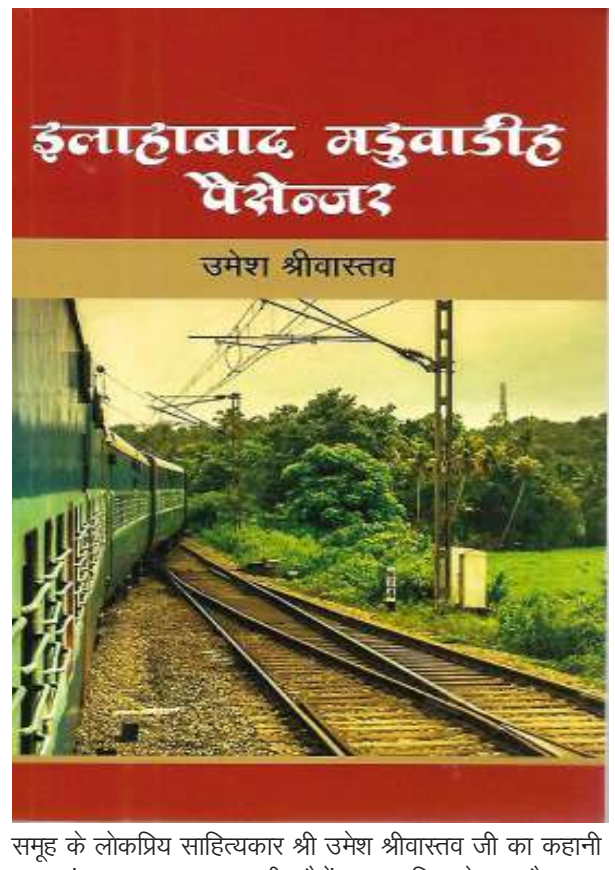

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

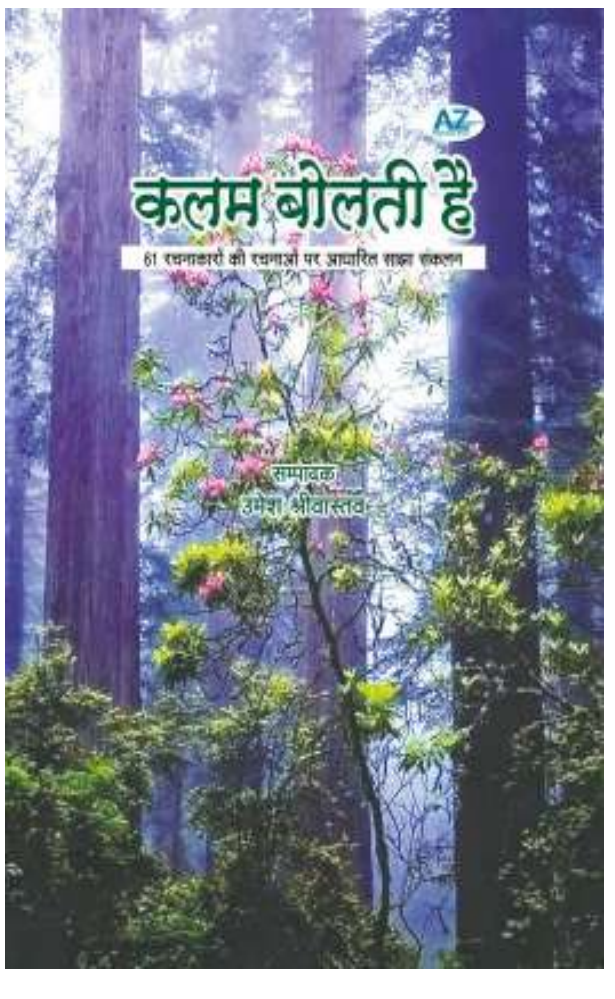

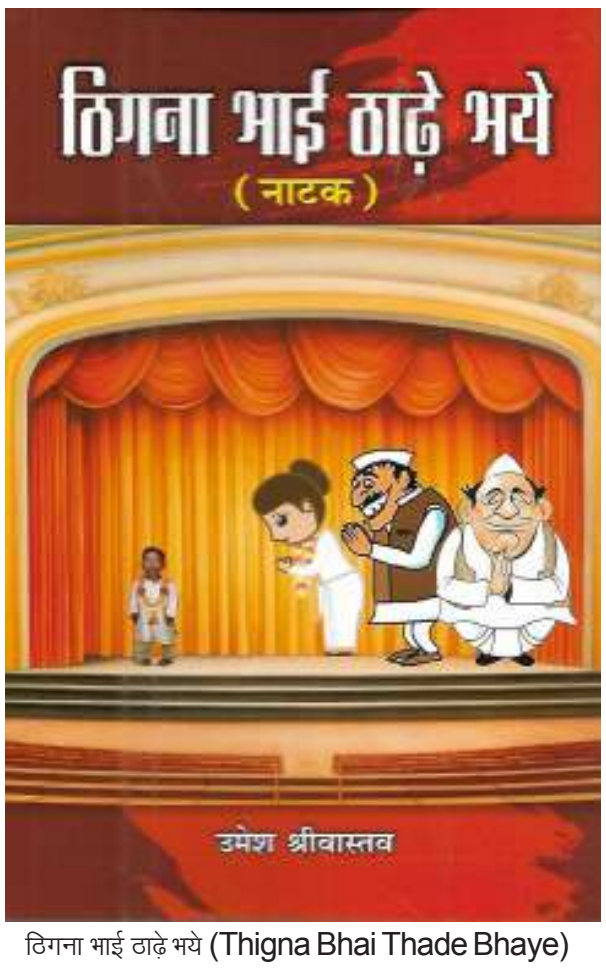

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

हिजाब विद्रोह को कुचला, Gen-Z से कैसे निपटेंगे खामनेई, क्या ईरान में हो जाएगा खलीफा का तख्तापलट

ईरान में सरकार के खिलाफ आवाम विद्रोह पर है। 40 साल पहले जिस तरह इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश की चुनी हुई सरकार का तख्ता फट किया। उसी तरह आज की आवाम ईरान से मजहबी कट्टरपंथ वाली सत्ता को उखाड़ ख्संगीत, के फेंकने पर आमादा है। पिछले चार दिनों से लगातार यह आंदोलन बढ़ता जा रहा है और अब मुल्क का जनजी इस आंदोलन का हिस्सा बन चुका है। बिगड़ी व्यवस्था से नाराज हुई आवाम। सड़कों पर घमासान, मुस्लिम मुल्क परेशान। टहरान की सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा है। चौराहे, बाजार, मॉल सब जगह प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कई जगहों पर व्यापारी दुकानें बंद कर प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। पूरे ईरान में यह प्रदर्शन फैल चुका है। तराज, हमेदान, केश, मलाड, इसहान, किरमन शाह, सिराज और यजद जैसे शहरों में जेंज़ सड़कों पर उतर आए हैं। ईरान की जेन जेड का कहना है कि वह अब इस्लामिक शासन से तंग आ चुके हैं। प्रदर्शन के दौरान इस्लामिक क्रांति को खत्म करने और देश को इस्लाम से आजाद करने की मांग जोरदार तरीके से उठाई जा रही है। यह प्रदर्शन पिछले चार दिनों से चल रहा है। जनता में आक्रोश सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर खामने के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया गया। बढ़ती महंगाई को लेकर ईरान एक बार फिर उबाल पर है। दक्षिणी फार्स प्रांत में उग्र प्रदर्शन करते हुए लोगों ने इमारत में जबरन घुसने की कोशिश की और जब कामयाब नहीं हुए तो पथराव किया। यही नहीं गेट तोड़ डाला। ईरान में खाने पीने की चीजों की कीमतें 70: से अधिक बढ़ चुकी थी और इसने लोगों का गुस्सा ईरान सरकार के खिलाफ बढ़ा दिया है। विरोध प्रदर्शन के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं, जिनमें गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दे रही हैं और प्रदर्शनकारी ष्बेशर्म! बेशर्म!ष के नारे लगा रहे हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में विरोध प्रदर्शन धीमे पड़ गए हैं; हालांकि ये देश के अन्य हिस्सों में फैल गए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सबसे तीव्र हिंसा तेहरान से 300 किलोमीटर दूर स्थित अजना में हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह 2022 के बाद ईरान में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है, जब पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद एक व्यापक आंदोलन शुरू हुआ था। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, हिंसा में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के 21 वर्षीय स्वयंसेवक की भी मौत हो गई। हालांकि आईआरएनए ने अधिक जानकारी नहीं दी, लेकिन उसने बताया कि स्वयंसेवक गार्ड के बासिज बल में था। लोरिस्तान प्रांत के उप राज्यपाल सईद पौराली ने कहा कि इस शहर में जनव्यवस्था की रक्षा के लिए हुए प्रदर्शनों के दौरान दंगाइयों के हाथों गार्ड का एक सदस्य शहीद हो गया।ष उन्होंने आगे कहा, ष्बासीज के 13 अन्य सदस्य और पुलिस अधिकारी घायल हो गए। ईरानी अधिकारियों ने हिंसा के लिए प्रदर्शनकारियों को दोषी ठहराया है। उनका कहना है कि प्रदर्शनकारियों की आवाज़ सुनी जानी चाहिए, लेकिन हिंसा उसका जवाब नहीं हो सकती। पौराली ने कहा, ष्ये प्रदर्शन आर्थिक दबाव, मुद्रास्फीति और मुद्रा में उतार–चढ़ाव के कारण हुए हैं और आजीविका संबंधी चिंताओं की अभिव्यक्ति हैं। नागरिकों की आवाज़ को सावधानीपूर्वक और समझदारी से सुना जाना चाहिए, लेकिन लोगों को लाभ–लोभी व्यक्तियों द्वारा अपनी मांगों को कुचलने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

संक्षिप्त

हम तैयार हैं... ट्रंप के एक पोस्ट से ईरान में बवाल

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के एक वरिष्ठ सलाहकार ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी विरोध प्रदर्शनों में किसी भी प्रकार का अमेरिकी हस्तक्षेप पूरे क्षेत्र में अराजकता का कारण बनेगा। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल

का प्रयोग करता है तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा हम पूरी तरह से तैयार हैं और जाने के लिए तत्पर हैं। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। यह अशांति बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर जनता के बढ़ते गुस्से को दर्शाती है। प्रदर्शन तेहरान में शुरू हुए, जहां दुकानदार राष्ट्रीय मुद्रा में आई भारी गिरावट, कमजोर आर्थिक विकास और बढ़ती कीमतों पर सरकार की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के लिए एकत्र हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में मुद्रास्फीति 42.5 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। विरोध प्रदर्शन और तेज़ हो गया जब कम से कम दस विश्वविद्यालयों के छात्र भी प्रदर्शन में शामिल हो गए। कई शहरों में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के कारण बाज़ार बंद रहे। अधिकारियों ने ठंड के मौसम के कारण सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी कर दी, जिससे देश के बड़े हिस्से में कामकाज ठप्प हो गया। पिछले 24 घंटों में, प्रदर्शन कई प्रांतों में फैल गए हैं। सीएनएन के अनुसार, कुछ प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच घातक झड़पें हुईं। ईरान की फ़ार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई, उन्होंने अधिकारियों पर पत्थर फेंके और वाहनों में आग लगा दी। एजेंसी ने यह भी बताया कि कुछ सशस्त्र ष्उपद्रवियोंष ने इस जमावड़े का फायदा उठाया।

अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़, कम से कम 17 लोगों की मौत

अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी ने लंबे समय से जारी शुष्क मौसम को तो खत्म किया लेकिन इसके साथ ही कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने कम से कम 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए।अफ़गानिस्तान की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि इस मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी से लंबे समय से चल रहा सूखा खत्म हो गया, लेकिन अफ़गानिस्तान के कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ सईदी के अनुसार मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि खराब मौसम के कारण देश के मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हम्माद ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, मवेशी मारे गए हैं और लगभग 1,800 परिवार प्रभावित हुए हैं जिससे पहले से ही कमजोर शहरी और ग्रामीण समुदायों की स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान के आकलन के लिए टीम भेजी गई हैं। टोलो न्यूज़ द्वारा कोट किए गए इकोनॉमिक एनालिस्ट कुतुबुद्दीन याकूब ने बताया कि असरदार प्लानिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट की कमी ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए हालात और खराब कर दिए हैं। न्यूज़ एजेंसी ।छप की रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के साथ–साथ पाकिस्तान और ईरान से अफगान शरणार्थियों को बड़े पैमाने पर निकाले जाने के कारण देश में मानवीय संकट भी बढ़ गया है। इसने यह भी बताया कि उत्तरी और पूर्वी इलाकों में लंबे समय तक सूखे की स्थिति और भूकंप ने भी लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

'SAARC की भावना' जीवित है क्योंकि खालिदा जिया के निधन पर दक्षिण एशिया शोकाकुल : यूनुस

बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को रेखांकित किया कि दक्षिण एशियाई देश पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर 'शोक में शामिल होने' के लिए एक साथ आए और कहा कि ''दक्षेस की भावना जीवित है''। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित दक्षिण एशिया के शीर्ष नेताओं ने बुधवार को ढाका में जिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। मुख्य सलाहकार के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि यूनुस तीन बार की प्रधानमंत्री और दुनिया की दूसरी महिला मुस्लिम राष्ट्राध्यक्ष के प्रति दक्षेस सदस्य देशों द्वारा दिखाए गए सम्मान से 'बेहद भावुक' थे। इसमें कहा गया है कि दक्षिण एशियाई नेताओं के साथ बैठकों के दौरान, यूनुस ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बार–बार जोर दिया। बयान के मुताबिक, युनूस ने मालदीव के उच्च शिक्षा, श्रम और कौशल विकास मंत्री अली हैदर अहमद के साथ बृहस्पतिवार को अपनी मुलाकात के दौरान कहा, ''कल के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हमने दक्षेस की सच्ची भावना देखी। दक्षेस की भावना अब भी जीवित है।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पुतिन का न्यू इयर प्रण! तबाह होंगे कीव के हाई प्रोफाइल दफ्तर, जनवरी में जेलेंस्की का सरेंडर

पुतिन आवास पर हमले का मामला उलझता जा रहा है। यूक्रेन का दावा है कि उसने पुतिन पैलेस नहीं सामरिक ठिकाने पर हमले किए। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की रिपोर्ट है कि पुतिन के पैलेस पर हमले नहीं हुए हैं। इसके बारे में ट्रंप को भी जानकारी दे दी गई है। लेकिन रूस और बेलारूस का कहना है कि अब कीव के नीति निर्माता केंद्र उसके निशाने पर हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति ने कीव पर हमले की धमकी दी है। 30 दिसंबर को खबर आई कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन के राजकीय आवास पर हमले किए हैं। पुतिन के पैलेस पर यूक्रेन ने हमले नहीं किए। ट्रंप ने हमले की खबर आने के बाद रूस का पक्ष लिया था। ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन को टोमहक मिसाइल नहीं देना सही फैसला था। यूरोप के सभी देशों ने भी इस मामले पर यही कहा है कि रूस झूठे दावे कर रहा है। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने सबूत पेश किए कि कीव ने नौबत क्षेत्र में राष्ट्रपति की आवास को जानबूझकर निशाना बनाकर हमला किया। रूस का कहना है कि यूक्रेन के हमलों को जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है। लेकिन वो इसे अनदेखा नहीं कर सकता है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लोकाशेंको ने भी कीव पर हमले की धमकी दी है। लुकाशंको का इशारा साफ है कि 2026 में कीव की अहम इमारतों पर रूस के हमले होंगे। ऐसे में रूस का पहला टारगेट ऑनकी पैलेस हो सकता है जो यूक्रेनी राष्ट्रपति वदमीर जेलस्की का आधिकारिक आवास है। वहीं रूस का दूसरा टारगेट यूक्रेन का राष्ट्रपति कार्यालय हो सकता है जो बाकोवा स्ट्रीट पर मौजूद है। जंग से जुड़े ज्यादातर फैसले यहीं से लिए जाते हैं। रूस का तीसरा टारगेट वेर खोबना राधा हो सकता है जो यूक्रेन का संसद भवन है। । रूस का चौथा टारगेट हाउस ऑफ गवर्नमेंट हो सकता है। यह वेर खोबना राधा के पास मौजूद है। यहां मंत्रिमंडल की बैठकें होती हैं। आशंका है कि रूस यहां बैलेस्टिक मिसाइलों से हमले कर सकता है। लेकिन नए साल में खतरा सिर्फ यही नहीं है। इससे बड़ा खतरा भी कीव पर मंडरा रहा है। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के साथ–साथ कीव में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू हो सकते हैं। बेलारूस की जमीन से रूसी फौज यूक्रेन में दाखिल होकर युद्ध का नया फ्रंट खोल सकती है। पुतिन के पैलेस पर हमले का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय सुर्खी बना था। उसी वक्त यूक्रेन ने कहा था कि रूस नए और बड़े हमलों का झूठा आधार तैयार कर रहा है। अब नए साल में मामला उसी तरफ जाता दिख रहा है। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के साथ–साथ कीव में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू हो सकते हैं। बेलारूस और यूक्रेन की सीमा पर रूसी फौज पहले से तैनात है। बेलारूस के फ्रंट से रूसी फौज की पर हमले शुरू कर सकती है।

यूएई ने 13.4 मिलियन तो सऊदी ने 28 मिलियन डॉलर का रेत किया इंपोर्ट

रेगिस्तान वाले देश रेत क्यों खरीद रहे हैं?

सऊदी अरब और यूएई जैसे मुस्लिम देश जिनके पास बड़े–बड़े रेगिस्तान हैं वो अब दूसरे देशों से रेत खरीद रहे हैं। सऊदी अरब और यूएई जैसे अरब देशों ने साल 2025 में रेत का सबसे बड़ा आयात किया है। आंकड़ों के मुताबिक यूएई ने 13.14 मिलियन की लगभग सवा मिलियन की रेत खरीदी। जबकि सऊदी अरब ने तकरीबन 28 मिलियन की रेत खरीदी है। यह दोनों देश 2023 से रेत खरीद रहे हैं और अब इनका रेत का आयात तकरीबन दो गुना

हो चुका है। पिछले 3 साल में इन दोनों देशों ने चीन, अमेरिका, भारत और बेल्जियम से रेत का आयात किया है। सबको पता है कि सऊदी अरब और यूएई में बड़े–बड़े रेगिस्तान हैं। लेकिन इन रेगिस्तानों से निकलने वाली रेत उस सपने को पूरा नहीं कर सकती जो इन देशों के हुक्मरानों ने देखा है।

रेगिस्तान में रेत की जरूरत क्यों?

सऊदी अरब जैसे रेगिस्तानी इलाकों में रेत प्रचुर मात्रा में पाई जाती है, लेकिन विडंबना यह है कि सभी रेत एक जैसी नहीं होती। रेगिस्तानों में पाई जाने वाली रेत के कण आमतौर पर बहुत गोल और चिकने होते हैं क्योंकि हजारों वर्षों से हवा द्वारा उनका क्षरण होता रहा है। यह उन्हें कंक्रीट उत्पादन के लिए अनुपयुक्त बनाता है, जहां कोणीय और मोटे सूक्ष्म कण सीमेंट और पानी के साथ मिलकर एक मजबूत, सुसंगत संरचनात्मक मिश्रण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। कंक्रीट के तीन मूल घटक सीमेंट, पानी और एग्रीगेट होते हैं, जिन्हें इच्छित मजबूती और उपयोग के आधार पर थोड़े–थोड़े अनुपात में मिलाया जाता है। सीमेंट एक पाउडर जैसा पदार्थ है जो पानी के साथ प्रतिक्रिया करके एक श्गोंदश बनाता है, जो मिश्रण को आपस में बांधता है। चूना पत्थर से निर्मित और अत्यधिक उच्च तापमान पर संसाधित होने के कारण, सीमेंट उत्पादन में अत्यधिक ऊर्जा की खपत होती है और प्रति वर्ष लाखों टन ब्व्2 उत्सर्जित होता है। कुछ अनुमानों के अनुसार, वैश्विक सीमेंट उद्योग अकेले विश्व के ब्व्2 उत्सर्जन के 8: तक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, जो इसके पर्यावरणीय प्रभाव को दर्शाता है। कंक्रीट को उसका आयतन एग्रीगेट से मिलता है। मिश्रण के आधार पर, यह कंक्रीट के आयतन का 60 से 80: और भार का 70–85: हो सकता है। हालांकि, श्एग्रीगेटश शब्द इस आवश्यक सामग्री के वास्तविक स्रोत को छिपा देता हैरू यह मोटे बजरी और महीन तलछट के मिश्रण से बनता है, जिसमें रेत भी शामिल होती है, जो आयतन के हिसाब से एग्रीगेट का 45: तक हो सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी रेत काम नहीं आएगीकृइसकी बनावट और आकार अंतिम कंक्रीट की मजबूती और टिकाऊपन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

हर वर्ष 50 अरब टन रेत का इस्तेमाल करती दुनिया

गगनचुंबी इमारतों, बुनियादी ढांचे और शहरी विकास के लिए आवश्यक रेत आमतौर पर नदी तल, झीलों और समुद्र तल से आती है, ऐसे वातावरण जहां अधिक कोणीय कण उत्पन्न होते हैं जो प्रभावी रूप से बंधने में सक्षम होते हैं। अधिकांश प्राकृतिक रेत विभिन्न भूदृश्यों में धीमी, निरंतर अपक्षय प्रक्रिया द्वारा निर्मित होती है। उपग्रह चित्रों पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि रेगिस्तानी रेत कितनी प्रचुर मात्रा में दिखाई देती है। फिर भी, इसकी प्रचुरता के बावजूद, हवा से घिसे हुए रेगिस्तानी कण आवश्यक संरचनात्मक पकड़ प्रदान करने के लिए बहुत चिकने और छोटे होते हैं। इसलिए, निर्माण क्षेत्र खदानों और नदी तल से प्राप्त रेत पर निर्भर करता है, जहाँ पानी से बने कण प्राकृतिक रूप से कोणीय, खुरदुरे और सीमेंट के चिपकने के लिए एकदम उपयुक्त होते हैं। खोजी पत्रकार विंस बेसर ने अपनी पुस्तक श्द वर्ल्ड इन अ ग्रेनश में लिखा है कि रेगिस्तानी रेत से कंक्रीट बनाने की कोशिश करना ष्छोटी ईंटों के ढेर के बजाय कंचों के ढेर से कुछ बनाने की कोशिश करनेष जैसा है। रेत की संरचना की बारीकियां भले ही मामूली लगें, लेकिन वे शहरों और अर्थव्यवस्थाओं की नींव हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया हर साल लगभग 50 अरब टन रेत का उपभोग करती है, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे अधिक निकाला जाने वाला ठोस पदार्थ बन जाता हैकृफिर भी इसका केवल एक अंश ही निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त है।

अमेरिका ने सूअर के मल वाला भेजा मक्का, बांग्लादेश में मचा भयंकर बवाल

जब से बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्ता पलट हुआ है और यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार बने हैं तब से भारत और बांग्लादेश के रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। यूनुस की भारत विरोधी और हिंदू विरोधी हरकतों के चलते बॉर्डर पर तनाव बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से कट्टरपंथियों की जमात जिस तरह से हिंदुओं पर बर्बरता वाले हमले कर रही है। उसने तो भारत के साथ संबंधों को और भी ज्यादा खराब कर दिया है। यूनुस पर आरोप लग रहे हैं कि वह पाकिस्तान और अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के इशारों पर ही सारे फैसले ले रहे हैं। कहा जाता है कि यूनुस को ही अमेरिका ने बांग्लादेश की कुर्सी पर बिठाने का काम किया है। इसीलिए वो अमेरिका की धुन पर नाच रहे हैं। लेकिन अब उन्हें ऐसा करना भारी भी पड़ रहा है। अब अमेरिका ने बांग्लादेश को ऐसा धोखा दिया है जिसने भयंकर बवाल मचा दिया है। बांग्लादेश में आने वाला अमेरिकी मक्का फिलहाल खाने से ज्यादा बहस का मुद्दा बन गया है। वजह सोशल मीडिया पर यह सवाल उठ गया कि क्या यह वही मक्का है जो अमेरिका में सूअर की खाद से उगाया जाता है? ढाका में अमेरिकी दूतावास ने एक पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा कि अमेरिकी मक्का इस महीने बांग्लादेश पहुंच रहा है। पोषण के लिए जाना जाने वाला यह मक्का कई तरह के खाने में इस्तेमाल होता है। साथ ही यह पशुओं के चारे के रूप में भी काम आता है। जिससे मांस, दूध और अंडों की सप्लाई बनी रहती है। अमेरिका में मक्का की खेती के दौरान अक्सर सूअर की खाद का इस्तेमाल किया जाता है। क्योंकि बांग्लादेश एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां सूअर से जुड़ी चीजें हराम मानी जाती है। इसीलिए यह मुद्दा चर्चा में आ गया और सोशल मीडिया पर लोगों ने टिका टिप्पणी करना शुरू कर दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर तरह–तरह के कमेंट्स आने लगे। कई यूज़र्स ने तंज के लहजे में लिखा कि अब सूअर की खाद से उगा मक्का बांग्लादेश पहुंचेगा। एक यूजर ने लिखा कि ट्रंप की नीतियां अनैतिक है। दूसरे यूजर ने लिखा कि क्या यह हराम नहीं होगा? कुछ ने तो ग्रो से ही पूछ लिया। बताओ कि क्या ये सच बात है कि अमेरिका में मक्के की खेती में सूअर की खाद का इस्तेमाल होता है? तो जवाब में ग्रुप ने कहा कि हां अमेरिका में मक्का उगाने के लिए अक्सर सूअर की खाद का इस्तेमाल किया जाता है। खासकर उन इलाकों में जहां बड़ी मात्रा में सूअरों का पालन होता है। यूएसडीए की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में करीब 16: मक्का उगाने वाले खेतों में खाद के रूप में सूअर की खाद डाली गई थी। अमेरिका ने जो धोखा दिया है वह इस्लाम के खिलाफ है। जिसके बाद बांग्लादेश के मुसलमान भड़के हुए हैं। तो चलिए आपको पूरे मामले के बारे में बता देता हूं। दरअसल, लगातार बढ़ते तनाव के चलते अब बांग्लादेश और भारत का व्यापार भी धीरे–धीरे निचले स्तर पर पहुंच गया है। अब यूनुस अमेरिका को ही सब कुछ मान रहा है। लेकिन यूनुस को शायद नहीं पता था कि अमेरिका अपने फायदे के लिए बांग्लादेश के खिलाफ भी जा सकता है। दरअसल बांग्लादेश अमेरिका से मक्का आयात कर रहा है। इसकी जानकारी ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने दी है। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अमेरिकी मक्का बांग्लादेश में आने वाला है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।